बुधवार
30 मार्च 2022

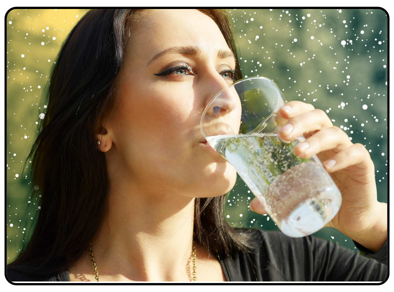

पृष्ठ 4

बार-बार लगती है प्यास तो अपनाए ये घरेलू उपाय

पृष्ठ 5

यशोदा में स्टंट करती नजर आएंगी सामंथा

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 62
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

विश्वास वह पक्षी है जो प्रभात के पूर्व अंधकार में ही प्रकाश का अनुभव करता है और गाने लगता है।

– रवींद्रनाथ ठाकुर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई.- 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

यूपी बोर्ड 12वीं के अंग्रेजी का पर्चा लीक

विशेष संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार के नकल विहीन बोर्ड परीक्षा के अभियान को आज उस समय बड़ा झटका लगा जब द्वितीय पाली में होने वाले बारहवीं के अंग्रेजी का वह पेपर लीक हो गया जो दो बजे होना था। जैसे ही पेपर लीक होने की सूचना मिली तो शासन-प्रशासन और माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के अधिकारियों में हड़कंप मच गया। पेपर लीक होने की पुष्टि होने पर 24 जिलों में परीक्षा को रद्द कर दिया गया वहीं बाकी 51 जिलों में आज ही तय समय पर परीक्षा कराई जा रही है। लेकिन इस बात की संभावनाएं जताई जा रही है कि जब परीक्षा के समय से कई घंटे पूर्व यह अंग्रेजी का पेपर व्हाट्सएप ग्रुप पर आ गया तो क्या यह उन 51 जनपदों तक नहीं पहुंचा होगा जहां परीक्षा कराई जा रही हैं। इस मुद्दे पर भी शासन में मंथन चल रहा है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस मामले पर सख्त एक्शन लेते हुए दोषियों को किसी भी कीमत पर न बक्शें जाने

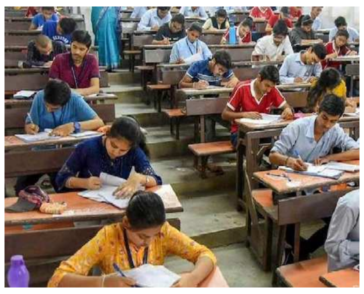

की बात करते हुए उनके खिलाफ एनएसए में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। वही माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी का कहना है कि चूक कहां से हुई इसकी बोर्ड और एसडीएम स्तर पर जांच की जा रही है तथा सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि अभी यह तय नहीं किया गया कि अब पेपर कब कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा की नई तिथियों का ऐलान जल्द किया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक यह पेपर लीक की सूचना सबसे पहले बलिया जिले से आई। जिला अधिकारी बलिया द्वारा इसकी पुष्टि होने पर जिले में पेपर रद्द कर दिया गया और सूचना बोर्ड के कंट्रोल रूम को दी गई। पता चला कि मामला सिर्फ बलिया जिले तक सीमित नहीं है राज्य के पश्चिमी क्षेत्र के तमाम जिलों तक पेपर पहुंच चुका है। लखनऊ में बैठक के बाद जहां-जहां से

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

●24 जिलों में परीक्षा रद्द की गई
●बाकी 51 जिलों में तय समय पर परीक्षा
●दोषियों पर होगी सख्त कार्यवाही
●परीक्षा की नई तारीख जल्द होगी तय

छात्रों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ। जिन छात्रों को इसकी जानकारी नहीं हुई थी वह तय समय पर परीक्षा देने परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे लेकिन वहां जब उन्हें पता चला कि पेपर लीक हो गया है तो कई छात्र घर लौट गए लेकिन सैकड़ों केंद्रों पर छात्रों ने पेपर लीक होने की घटना पर आक्रोश जताते हुए शासन-प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन भी किया उनका आरोप है कि यह छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी व उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पति-पत्नी दोनों को मिलेगी वृद्धावस्था पेंशन

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार अब राज्य में पति-पत्नी दोनों को वृद्धावस्था पेंशन देगी। इस आशय का आदेश शासन द्वारा जारी कर दिया गया है।

उल्लेखनीय है कि अब तक उत्तराखंड में सिर्फ पुरुषों को ही वृद्धावस्था पेंशन मिलती थी, पति-पत्नी दोनों के जीवित रहने की दिशा में एक को वृद्धावस्था पेंशन दी जाती थी लेकिन अब 60 वर्ष से अधिक की आयु पूरी कर चुके पति-पत्नी दोनों को वृद्धावस्था पेंशन दी जाएगी। इस आशय का आदेश प्रमुख सचिव द्वारा जारी करते हुए समाज कल्याण विभाग को निर्देश जारी कर दिए गए हैं। उन्होंने अपने निर्देशों में कहा है कि वृद्धावस्था पेंशन से संबंधित 2022 के नियमों के संदर्भ में उन्हें यह कहने का निर्देश मिला है कि 17 जून 2016 के प्रस्तर की तृतीय पंक्ति को आंशिक रूप से संशोधित करते हुए वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत इसका लाभ पति-पत्नी दोनों को दिया जाएगा।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड सरकार द्वारा द्वारा 1200 रूपये प्रति माह की वृद्धावस्था पेंशन दी जाती है जो साल में 6 माह के अंतराल पर दो बार प्रदान की जाती है। इसके तहत कुल 14,400 रुपए साल में दिए जाते थे। जिसका भुगतान 72 सौ रुपए छमाही के हिसाब से किया जाता था लेकिन अब पति-पत्नी को इस योजना का लाभ मिलेगा। जबकि अब तक दंपति को एक ही पेंशन दी जाती थी। 60 साल से अधिक के दंपत्ति को वृद्धावस्था पेंशन योजना के तहत अब कुल 28,800 रूपये साल दिए जाएंगे जो दो किस्तों में मिलेंगे।

मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादी ढेर, एक आतंकवादी के पास मिला प्रेस कार्ड

श्रीनगर। जम्मू – कश्मीर के श्रीनगर जिले में रैनावाड़ी इलाके में बुधवार की सुबह सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच हुई मुठभेड़ में लश्कर – ए –तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए हैं। पुलिस ने जानकारी दी है कि इस मुठभेड़ में मारा गया एक आतंकी पहले पत्रकार था। वह आतंकी बनने से पहले ऑनलाइन न्यूज पोर्टल चलाता था। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने आधी रात को इलाके की घेराबंदी करने के बाद तालाशी अभियान शुरु किया था, जिसके बाद वहां मुठभेड़ शुरू हुई। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए, कश्मीर के पुलिस महानिदीक्षक (आर्डजीपी) विजय कुमार ने बताया कि मारे गए आतंकवादियों में से एक के पास प्रेस कार्ड था। कुमार ने ट्वीट किया, मारे गए एक आतंकवादी के पास प्रेस कार्ड था, जो मीडिया के गलत इस्तेमाल का स्पष्ट संकेत देता है।

कार्ड के अनुसार मारा गया आतंकवादी रईस अहमद भट वैली मीडिया सर्विस का मुख्य संपादक था। पुलिस ने बताया कि रईल अहमद भट पहले इसी नाम से ऑनलाइन न्यूज पोर्टल चलाता था लेकिन बाद में वह अगस्त 2021 में आतंकी बन गया था। पुलिस की सूची में उसे सी श्रेणी में टखा गया था। उसके खिलाफ आतंकी गतिविधियों में शामिल होने को लेकर दो एफआईआर भी दर्ज थीं। वहीं मारे गए दूसरे आतंकी की पहचान हिलाल अहमद राह के रुप में हुई है। उसे भी सी श्रेणी की सूची में रखा गया था।

पिछले 24 घटे में आए कोरोना के 1233 नए केस

नई दिल्ली । देश में लगातार कम हो रहे कोरोना महामारी के मामलों की खबर राहत देने वाली है। पिछले राष्ट्रीय स्तर पर कोविड के नए मामलों में हो रही गिरावट के चलते देश में अब उपचाराधीन मामलों की संख्या घटकर १४ हजार ७०४ रह गई है।

वहीं कोरोना से रिकवर करने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी जारी है। देश में पिछले २४ घंटे में १ हजार २३३ केस दर्ज हुए हैं जिसके बाद संक्रमण के कुल मरीजों की संख्या ४,३०,२३,२१५ हो गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बुधवार सुबह जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में एक दिन में कोरोना वायरस संक्रमण के १,२३३ नए मामले सामने आए हैं। वहीं, ३१ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर ५,२१,१०१ पर पहुंच गई। देश में कोविड–१९ के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर १४,७०४ हो गई है, जो कुल मामलों का ०.०३ प्रतिशत है जबकि संक्रमण से उबरने की दर ९८.७५ फीसद है। मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कोविड–१९ रोगियों की संख्या में ६७४ की कमी आई है। दैनिक संक्रमण दर ०.२० प्रतिशत जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर ०.२५ फीसद है। वहीं कोविड टीकाकरण अभियान में १८३.८२ करोड़ से अधिक टीके लगे और १,८७६ व्यक्ति कोविडमुक्त हुए।

चीन के शंघाई में दो साल बाद लगा सबसे बड़ा लॉकडाउन

शंघाई। चीन के शंघाई में मंगलवार को कोरोना के रिकॉर्ड ४४७७ नए मामले दर्ज होने के बाद हड़कंप मचा है। शंघाई एक्सपो सेंटर में आईसोलेशन सेंटर बनाया गया है, जहां छह हजार मरीजों के इलाज का इंतजाम किया गया है। यही नहीं शंघाई के बडे–बड़े स्टेडियम्स को भी कोविड केयर सेंटर में बदल दिया गया है। शंघाई प्रशासन जीरो कोविड पॉलिसी के तरह पूरी आबादी को कोविड टेस्ट करने में जुटा है। शंघाई अपनी आलीशान इमारतों, शानदार सड़कों और जिंदादिल लोगों के लिए जाना जाता है। शंघाई को ग्लोबल फाइनेंसियल हब भी कहते हैं लेकिन इन दिनों शंघाई बड़ी मुसीबत में है। शंघाई की सड़कें सूनी पड़ी हैं और करीब दो करोड़ साठ लाख लोग घरों में बंद हैं। चीन में तेजी से फैलते ओमिक्रोन की वजह से शंघाई में सख्त लॉकडाउन लगा दिया गया है, लोगों को बस कोरोना टेस्टिंग के लिए घर से बाहर निकलने की इजाजत है।

दून वैली मेल

संपादकीय

यह कैसी आत्मनिर्भरता?

देश अपनी आजादी के 75 वर्ष की उपलब्धियों का ढिंढोरा पीटकर अमृत महोत्सव मना रहा है। केंद्रीय सत्ता पर आसीन भाजपा ने इस बात का प्रचार करते-करते कि उससे पूर्व वाली सरकारों ने कुछ किया ही नहीं, विपक्ष को नकारा साबित कर हाशिए पर धकेल दिया गया है। मेक इन इंडिया, एक भारत श्रेष्ठ भारत और अब आत्मनिर्भर भारत जैसे विमर्श आज चर्चाओं के केंद्र में है। सरकार की सामर्थ्य देखिए कि उसने देश के 80 करोड़ लोगों को 2020-21 में मुफ्त राशन उपलब्ध कराया और किसी को भी कोरोना काल में भूखा नहीं सोने दिया। देश में प्रधनमंत्री आवास योजना के तहत बकौल पीएम 2.5 करोड़ परिवारों को सरकार ने पक्के सस्ते घर बनवा कर दिए हैं। उज्जवला योजना के जरिए करोड़ों परिवारों को मुफ्त में रसोई गैस कनेक्शन दिए गए और महिलाओं को चूल्हे के धुंए से मुक्ति दिलाई गई है। स्वच्छ भारत योजना के तहत घर-घर शौचालय निर्माण कराया गया है। हर घर नल हर घर जल योजना के तहत स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। यह तो सिर्फ उदाहरण भर है वृद्धों-विधवाओं-छात्राओं विकलांगों सहित तमाम लोगों को पेंशन और बेरोजगारों तथा किसानों-मजदूरों को अनेक योजनाओं के जरिए सम्मान राशियों का वितरण कर उनकी मदद की जा रही है। अभी समाचार आया था कि केंद्र सरकार 2024 तक मुफ्त राशन देने की योजना पर विचार कर रही है खैर 2024 तक नहीं अभी इस योजना का विस्तारीकरण सिर्फ 6 माह तक किया गया है। सवाल यह है कि आजादी के 75 साल बाद भी अगर देश का आम आदमी अपनी मेहनत के दम पर खुद को इतना भी सशक्त नहीं कर सका है कि वह अपने लिए दाल-आटा जुटा सके या बीमार पड़ने पर अपना इलाज करा सके, अपने लिए पीने का पानी का इंतजाम कर सके या एक शौचालय बनवा सके अथवा एक रसोई गैस का कनेक्शन ले सके या एक छत बना सके तब फिर हम किस आत्मनिर्भर भारत की बात कर रहे हैं। अगर आज देश की आबादी को अपने पेट भरने और जरूरी जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार पर निर्भर रहना पड़ता है तो उसके लिए आजादी के और आजादी के अमृत महोत्सव के क्या मतलब रह जाते हैं। आम आदमी के लिए सरकार द्वारा 5 लाख तक स्वास्थ्य बीमा सुविधा दी जा रही है। जरा सोच कर देखिए कि देश के कितने लोग हैं जो वर्तमान दौर के महंगे इलाज और बच्चों की शिक्षा का खर्च वहन कर सकते हैं। एक दूसरा सवाल यह है कि देश की आधी से भी अधिक आबादी जो सरकार की मेहरबानी ऊपर जी रही है उसे इस दीन हीन अवस्था में किसने पहुंचाया है? एक अन्य सवाल यह है कि इस देश में कितने नेता है जो गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन कर रहे हैं? सच यह है कि देश की आधी आबादी को गरीब बनाने के लिए कोई और नहीं देश के नेता ही जिम्मेदार है। और जो गरीब है उन्हें दीन हीन बनाए रखा जाना किसी षड्यंत्र से कम नहीं है उन्हें दी जाने वाली हर एक मदद का उद्देश्य वोट लेने का एक टूल है जिससे कोई भी गरीब जिंदा तो रह सकता है लेकिन वह कभी आत्मनिर्भर नहीं बन सकता है। और जब देश का गरीब आत्मनिर्भर नहीं बनेगा आत्मनिर्भर भारत की बात सिर्फ एक शगुफा ही कही जा सकती है।

कलयुगी बेटे ने मां से दुराचार का किया प्रयास

संवाददाता

देहरादून। कलयुगी बेटे ने अपनी मां के साथ दुराचार करने का प्रयास किया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गुमानीवाला निवासी महिला ने ऋषिकेश कोतवाली मे मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 28 मार्च 2022 रात को जब अपने कमरे में सो रही थी लगभग रात्रि साढे बारह बजे उसका पुत्र शुभम शर्मा द्वारा उस पर अचानक से बदनियत होते हुए दुष्कर्म करने के इरादे से हमला कर दिया गया और माँ बहन की गन्दी गन्दी गाली गलौच देते हुए कहने लगा की तु मुझे नशा करने के लिये रूपये देने से मना करती है आज मै तेरा ऐसा हाल करूगां की तु कही मुहँ दिखाने लायक नही रहेगी। उसने किसी तरह से उससे अपनी इज्जत व जान बचायी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

तेल की बदलती अर्थव्यवस्था

रूस को प्रतिबंधित करने की कोशिश में पश्चिम के धनी देश अपने लिए तेल और गैस के नए स्रोत ढूंढ रहे हैं। नतीजा, तेल उत्पादक और गैस सप्लायर देशों से नए सौदे करने की लगी होड़ है। लेकिन अगर इन देशों के ज्यादातर उत्पाद को धनी देशों ने खरीद लिया, तो गरीब देशों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी।

यूक्रेन पर रूस के हमले का सबसे असर जिस क्षेत्र पर पड़ा है, वो कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस का विश्व बाजार है। रूस को प्रतिबंधित करने की कोशिश में पश्चिम के धनी देश अपने लिए तेल और गैस के नए स्रोत ढूंढ रहे हैं। नतीजा, तेल उत्पादक और गैस सप्लायर देशों से नए सौदे करने की लगी होड़ है। इस बीच जानकार चेतावनी दे रहे हैं कि अगर इन देशों के ज्यादातर उत्पाद को धनी देशों ने खरीद लिया, तो गरीब देशों की मुश्किलें और बढ़ जाएंगी। फिलहाल, ताजा खबर यह है कि यूरोप की सबसे ताकतवर अर्थव्यवस्था जर्मनी के वित्त मंत्री रॉबर्ट हाबेक हाल में कतर और संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर गए। कतर में उन्होंने लंबे समय तक ऊर्जा आपूर्ति को लेकर एक समझौता किया। उसके पहले ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब के दौरे पर गए। वहां उन्होंने सऊदी को कुछ वक्त के लिए वैश्विक बाजार में तेल की आपूर्ति बढ़ाने के लिए राजी करने की कोशिश की। वहीं इटली के विदेश मंत्री भी पहले अल्जीरिया और फिर कतर के दौरे पर गए, जहां उन्होंने ऊर्जा आपूर्ति संबंधी बातचीत की। इटली की निगाह अजरबैजान, ट्यूनीशिया और लीबिया पर भी है।

साफ है कि रूस के यूक्रेन पर हमला करने के बाद से कई वैश्विक समीकरण बदल गए हैं। रूस से लंबे समय से खूब तेल और गैस खरीदने वाले तमाम यूरोपीय देश अब रूस से निर्भरता घटाना चाहते हैं। रूसी तेल और गैस पर यूरोप की निर्भरता कुछ ऐसी रही है कि जर्मनी अपनी कुल जरूरत की आधे से ज्यादा नेचुरल गैस, कुल जरूरत का आधा कोयला, और कुल जरूरत का एक-तिहाई तेल रूस से आयात करता है।

रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने पर पाबंदी लगा दी। अन्य यूरोपीय देशों ने भी तमाम पाबंदियों का एलान किया। फिर भी युद्ध शुरू होने के बाद से यूरोपीय संघ के देश तेल, नेचुरल गैस और कोयले के लिए रूस को 13.3 अरब यूरो ट्रांसफर कर चुके हैं। एक स्टडी के मुताबिक अभी यूरोप से सिर्फ तेल के लिए ही रूस को रोजाना 21 अरब रुपये से ज्यादा जा रहे हैं। अब मकसद रूस को इस धन से वंचित करना है। लेकिन इस कोशिश में इन देशों को दूसरे देशों का रुख करना पड़ रहा है। इससे पेट्रोलिय की पूरी विश्व अर्थव्यवस्था ही बदलती नजर आ रही है। (आरएनएस)

यूक्रेन, भारत और चीन

वेद प्रताप वैदिक

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मोरिसन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ हुई अपनी द्विपक्षीय वार्ता में वही बात कही, जो जापान के प्रधानमंत्री फ्यूमिओ किशिदा ने कही थी। दोनों प्रधानमंत्रियों ने यूक्रेन के सवाल पर रूस की आलोचना की और यह भी कहा कि रूस ने यूरोप में जो खतरा पैदा किया है, वैसा ही खतरा एशिया में चीन पैदा कर सकता है। इन दोनों देशों में कई नेताओं ने यह साफ-साफ कहा है कि यूक्रेन पर जैसा हमला रूस ने किया है, वैसा ही ताइवान पर चीन कर सकता है। चीन पर यह दोष तो पहले से ही मढ़ा हुआ है कि वह चीनी दक्षिण सागर और जापान के एक टापू पर अपना अवैध वर्चस्व जमाए हुआ है। इन दोनों नेताओं के साथ मोदी ने इसी बात पर जोर दिया कि सभी देशों की स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा की जानी चाहिए और हमले की बजाय बातचीत को पसंद किया जाना चाहिए। दोनों नेताओं ने भारत को यूक्रेन के दलदल में घसीटने की कोशिश जरुर की लेकिन भारत अपनी नीति पर अडिग रहा। जापान और आस्ट्रेलिया ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर रूस के खिलाफ मतदान किया और उस पर थोपे गए प्रतिबंधों का समर्थन किया लेकिन भारत ने अमेरिका के इशारे पर थिरकने से मना कर दिया। भारत को डराने के लिए इन राष्ट्रों ने चीन का घड़ियाल भी बजाया लेकिन आश्चर्य है कि इन्होंने अपनी पत्रकार-परिषद और संयुक्त वक्तव्य में एक बार भी गलवान घाटी में चीनी अतिक्रमण का जिक्र तक नहीं किया। इसका अर्थ यही निकला कि हर राष्ट्र अपने राष्ट्रीय स्वार्थों की ढपली बजाता रहता है और यह भी चाहता है कि दूसरे राष्ट्र भी उसका साथ दें। यह अच्छा है कि भारत ने कई बार दो-टूक शब्दों में कह दिया है कि चौगुटा (क्वाड) नाटो की तरह सामरिक गठबंधन नहीं है लेकिन चीनी नेता इस चौगुटे को नाटो से भी बुरा सैन्य-गठबंधन ही मानते हैं। वे इसे 'एशियन नाटो' कहते हैं। उनका मानना है कि शीतयुद्ध की समाप्ति के बाद नाटो जैसे सैन्य संगठन को विसर्जित कर दिया जाना चाहिए था लेकिन उसके साथ पहले तो रूस के पूर्व प्रांतों को जोड़ लिया गया और अब यूक्रेन को भी शामिल किया जाना था। अमेरिका की यही आक्रामक नीति 'क्वाड' के नाम से एशिया में थोपी जा रही है। चीन को पता है कि अमेरिका की यह आक्रामकता यूरोप और एशिया, दोनों का भयंकर नुकसान करेगी। चीन के विदेश मंत्री शीघ्र ही भारत आनेवाले हैं। इस समय यूक्रेन पर भारत और चीन का रवैया लगभग एक-जैसा ही है।(आरएनएस)

अरुषस्य दुहितरा विरूपे स्तृभिरन्या पिपिशे सूरो अन्या।
'मिथस्तुरा विचरन्ती पावके मन्म श्रुतं नक्षत ऋच्यमाने।।
(ऋग्वेद ६-४६-३)

रात और दिन सूर्य की दो पुत्रियां हैं। दिन सूर्य की किरणों से प्रकाशित होता है और रात टिमटिमाते तारों से शोभित होती है। दोनों ही निरंतर हैं कभी ठहरती नहीं है। दोनों ही हमारे जीवन के लिए आवश्यक हैं प्रेरणा की स्रोत हैं। दोनों ही प्रशंसनीय हैं। हम दोनों को नमन करते हैं।

Night and Day are the two daughters of the sun. The day is illuminated by the rays of the sun, and the night glitters with twinkling stars. Both are regular and never stop. Both are essential for our lives; they are our sources of inspiration and are commendable. We salute both of them. (Rig Veda 6-49-3)

एक हमला यह भी

पश्चिमी प्रतिबंधों के जवाब में उठाए गए रूस के एक कदम से बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण के लिए जारी वैश्विक व्यवस्था पर करारी चोट हुई है। रूस का कदम सफल रहा, तो उससे ऐसी मिसाल कायम होगी, जिससे वैश्विक कारोबार करने वाली कंपनियों के मुनाफे में भारी सेंध लग सकती है। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस ने एक और हमला किया है। इस हमले के परिणाम दूरगामी हो सकते हैँ। इसकी वजह यह है कि इससे बौद्धिक संपदा अधिकारों के संरक्षण के लिए जारी वैश्विक व्यवस्था पर करारी चोट हुई है। अगर रूस का कदम सफल हो गया, तो उससे एक ऐसी मिसाल कायम होगी, जिससे वैश्विक कारोबार करने वाली कंपनियों के मुनाफे में भारी सेंध लग सकती है। यूक्रेन पर हमले के बाद लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों का जवाब देने के लिए रूस ने ये कदम उठाया है। उसने बौद्धिक संपदा अधिकारों को निशाना बनाया है। रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन ने पिछले दिनों एक आदेश जारी किया, जिसमें कहा गया कि रूसी कंपनियां अब 'अमित्र देशों' की कंपनियों के पेंटेट को मानने के लिए मजबूर नहीं होंगी। वे उन देशों की कंपनियों की तरफ से रजिस्टर्ड कराए गए यूटिलिटी मॉडल्स और इंडस्ट्रियल डिजाइन्स का पालन करने के लिए भी बाध्य नहीं होंगी। इस तरह अमेरिकी और यूरोपीय देशों की कंपनियों के बौद्धिक संपदा अधिकार अब रूस में मान्य नहीं रह गए हैँ। इसका मतलब है कि रूसी कंपनियां पेंटेट या औद्योगिक डिजाइन के बदले पश्चिमी कंपनियों को बिना फीस का भुगतान किए संबंधित वस्तुओं या सेवाओं का उत्पादन कर सकेंगी। इससे रूसी कंपनियां कई उत्पादों को सस्ते में अपने देश के उपभोक्ताओं को उपलब्ध करवा पाएंगी। पुतिन के आदेश जारी करने के बाद एक ब्रिटिश कंपनी ने उसे एक रूसी कोर्ट में चुनौती दी। लेकिन कोर्ट ने अर्जी खारिज कर दी। इसलिए अब नहीं लगता कि इस मसले का रूस के अंदर कोई हल संभव है। पश्चिमी चर्चाओं में इसे इंटेलेक्चुअल पाइरेसी को वैध करना बताया गया है। यह तो साफ है कि पिछली एक सदी में किसी देश ने बौद्धिक संपदा पर ऐसा हमला किया हो, उसकी कोई मिसाल नहीं है। प्रथम विश्व युद्ध के दौरान जरूर अमेरिका ने अपने दुश्मन देशों की कंपनियों की कॉपीराइट और पेटेंट अधिकारों का पालन ना करने के लिए ट्रेडिंग विथ इनमी ऐक्ट पारित कराया था। अब उसी मिसाल का अनुपालन रूस कर रहा है। (आरएनएस)

स्कूलों के खिलाफ प्रदर्शन करेगा उक्रांद

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल जल्द ही स्कूलों में बढ़ती फीस और स्कूलों की मनमानी के खिलाफ महानगर परिक्षेत्र में प्रदर्शन करेगा और स्कूलों के खिलाफ स्कूलों में जाकर हल्लाबोल कार्यक्रम करेगा।

मीडिया को जारी एक बयान में यह बात कार्यकारी अध्यक्ष एंव मीडिया प्रभारी किरन रावत कश्यप द्वारा कही गयी। उन्होने कहा कि वर्तमान में डीजल, पेट्रोल, रसोई गैस तथा खाद्य सामग्री के दाम बढ़ने से पहले ही जनता परेशान है तथा महंगाई अपने चरम पर है उसके ऊपर स्कूलों द्वारा मनमानी फीस वसूली तथा किताबों व यूनिफार्म के मनमाने रेट ने जनता की कमर तोड़ दी है। प्रत्येक वर्ष स्कूलों द्वारा फीस में कम से कम 500 रूपये की वृद्धि की जाती है जो कि बहुत ज्यादा है। उन्होने कहा कि पिछले दो साल से कोरोना के चलते हुए आर्थिक रूप से जनता को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा उसे देखते हुए अभी भी जनता की आर्थिक स्थिति सुधर नहीं पाई है जिसका आमजन पर दुष्प्रभाव पड रहा है और इस महंगाई के दौर में लोगों को अपने बच्चों को पढ़ाना भी मुश्किल हो गया है। स्कूलों की मनमानी, बेतहाशा बढ़ती फीस और स्कूलों के द्वारा महंगी दरों पर दी जाने वाली किताबें, ड्रेस और अन्य सामग्री से अभिभावक अत्यंत परेशान हैं। उनको सामूहिक रूप से नेतृत्व देने के लिए कोई तैयार नहीं है।स्कूल माफियाओं के खिलाफ कोई बोलने को तैयार नहीं है। उत्तराखंड के अधिकारी बिल्कुल मौन धारण किए हुए हैं, जिस कारण स्कूलों में मनमानी बदस्तूर जारी है। उन्होने कहा कि उत्तराखंड क्रांति दल महानगर जल्द ही बढ़ती फीस और इस प्रकार स्कूलों की मनमानी के खिलाफ राजधानी में प्रदर्शन करेगा और जल्द ही ऐसे स्कूलों की सूची तैयार करेगा जिनके यहां छात्रों को समान बिक्री किया जा रहा है और अभिभावकों से पैसे वसूले जा रहे हैं।

शराब के साथ गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने शराब के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने रिंग रोड पर एक स्कूटी सवार को रूकने का इशारा किया तो वह पुलिस को देख भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर रोक लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने स्कूटी से भारी मात्रा में शराब बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम दर्शन पुत्र धनसिंह निवासी चम्बा टिहरी गढवाल बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

भूपेंद्र को मिला इंटरनेशनल यूथ आइकॉन अवॉर्ड

बागेश्वर (आरएनएस)। बागेश्वर में उत्तराखंड की संस्कृति के संरक्षण से लेकर समाज कार्य में सराहनीय कार्य करने पर युवा नेता भूपेंद्र कोरंगा को वंडर अमेजिंग क्रिएटिव बुक ऑफ रिकार्ड द्वारा इंटरनेशन यूथ आइकॉन अवार्ड दिया है। कोरंगा ने यह अवार्ड अपनी मां देवकी देवी को समर्पित किया है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों ने खुशी जताई है।

२३ वर्षीय भूपेंद्र जिले के कपकोट ब्लॉक के ग्राम सभा लीती निवासी है। भूपेंद्र ने उत्तराखंड की संस्कृति के संरक्षण के लिए कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराया, कई कलाकरों को मंच दिया, उत्तराखंड के किसान एवं लोकल उत्पादों को बेहतर मार्केट देने के अलावा छह बार रक्तदान करके लोगों की जान बचाई है। इसके अलावा कोरोना काल में निशुल्क राशन वितरण एवं दूरस्थ गावों में निशुल्क कोरोना दवाई किट पहुंचाया। संचार सुविधा के लिए तीन दिवसीय नंगे पैर यात्रा की। डब्लूएजी बुक ऑफ रिकॉर्ड संस्था द्वारा कई सालों से कई सामाजिक क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कई लोगों को इंटरनेशनल यूथ आइकॉन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड शो पुणे के महाराष्ट्र में आयोजित हुआ, लेकिन व्यस्थता के कारण नहीं जा पाया, इसलिए अवॉर्ड उनके घर भेजा गया।

कपकोट में पकड़ी 20 किलो पॉलीथिन

बागेश्वर (आरएनएस)। कपकोट में कपकोट, भराड़ी तथा अन्य स्थानों पर व्यापारी जमकर पॉलीथिन का प्रयोग कर रहे हैं। मंगलवार की सुबह नगर पंचायत के अधिकारियों ने छापेमारी की तो २० किलो पॉलीथिन जब्त की है। व्यापारियों से साढ़े तीन हजार रुपये का हर्जाना भी वसूला गया। एक सप्ताह में यह तीसरी बड़ी कार्रवाई है। लगातार हो रही कार्रवाई कारोबारियों में हड़कंप मचा है।

ईओ नवीन कुमार के नेतृत्व में नगर पंचायत कर्मचारियों ने भराड़ी, पुल बाजार, मंडलखेत तथा ब्लॉक के पास छापेमारी की। यहां कई दुकानों से २० किलो पॉलीथिन जब्त की गई। व्यापारियों ने तीन हजार पांच सौ रुपये का अर्थदंड वसूला गया। ईओ ने कहा कि पॉलीथिन के खिलाफ उनका अभियान तब तक चलता रहेगा, जब तक व्यापारी इसका उपयोग करना बंद नहीं कर देते हैं। किसी भी हालत में पॉलीथिन का उपयोग नहीं होने दिया जाएगा। दो बार पकड़े जाने वाले व्यापारियों पर बड़ी कार्रवाई की संस्तुति की जाएगी। इस मौके पर सनी शर्मा, रवींद्र मेहता, सुंदर कोरंगा, छोटेलाल, सूरज ऐठानी मौजूद थे।

महिलाओं को अश्लील मैसेज भेजने वाला शातिर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

चम्पावत। फर्जी मोबाइल नंबर से महिलाओं को अश्लील मैसेज भेज कर परेशान करने वाला शातिर को साइबर सेल द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीते दिनों टनकपुर निवासी एक महिला द्वारा थाना टनकपुर में तहरीर देकर बताया गया था कि एक अज्ञात व्यक्ति उसके व्हाट्सएप नम्बर पर अश्लील संदेश भेज रहा है। मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल सम्बन्धित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आलाधिकारियों को अवगत करा दिया गया। मामले की जांच प्रभारी साईबर सैल निरीक्षक संजय कुमार पाण्डे के सुपुर्द की गयी। जांच में पता चला कि उक्त व्यक्ति शातिर किस्म का अपराधी है जो फर्जी मोबाइल नंबरों का प्रयोग कर महिलाओं को अश्लील मैसेज भेज धमकी देता है। जिस पर साइबर सेल द्वारा त्वरित टेक्निकल कार्यवाही करते हुए आरोपी इमरान खान पुत्र शबाब खान निवासी वार्ड नंबर-4 टनकपुर का पता निकाल लिया और उसे टनकपुर कस्बा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया है।

चरस के साथ बाप-बेटे गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने चरस के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया। तीनों में से दो भाई और एक उनका पिता है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला कोतवाली पुलिस ने मोहिनी रोड पर तीन लोगों को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उनको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडे हुए। पुलिस ने पीछा कर उनको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उनके कब्जे से आध ा किलो चरस बरामद कर ली। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम रूपचन्द ग्वाल पुत्र हीरा लाल, भोजराज ग्वाल व तरूण ग्वाल दोनों पुत्र रूपचन्द ग्वाल निवासी ग्राम बलवाकोट थाना बलवाकोट पिथौरागढ बताया। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

राज्य सरकार कर रही है सौतेला व्यवहार: मनीष

विशेष संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री व पूर्व राज्य मंत्री मनीष कुमार नागपाल ने प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से यह मांग की है कि वह राज्य के एपीएल कार्ड धारकों के संग सौतेला व्यवहार न करें, क्योंकि जहां एक और एनएफएसए और बीपीएल कार्ड धारकों को सस्ता राशन और फ्री का राशन दिया जा रहा है वहीं दूसरी ओर राज्य के लाखों एपीएल कार्ड धारकों को ढाई किलो चावल और 5 किलो गेहूं प्रतिमाह दिया जा रहा है।

उन्होने कहा कि मुख्यमंत्री खुद सोचे कि क्या इससे गरीब परिवार पूरे महीने अपना पेट पाल सकता है। पूर्व की भाजपा सरकार ने पहले ही घोषणा की थी कि वह 10-10 किलो गेहूं, चावल एपीएल कार्ड धारकों को देंगे परंतु उन्होंने नहीं दिया। यह सौतेला व्यवहार राज्य की एपीएल कार्ड धारक जनता के साथ ठीक नहीं है। आज की महंगाई को देखते हुए एपीएल कार्ड धारको को कम से कम 15-15 किलो गेहूं और चावल प्रत्येक माह दिया जाना चाहिए, तथा जिस प्रकार से अन्य राज्यों में रिफाइंड ऑयल ,चीनी, नमक व दाल दिया जा रहा है उत्तराखंड में भी इस प्रकार से राशन दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री अपनी पुरानी सरकार के वादों को पूरा करें ऐसी उम्मीद हम मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जी से करते हैं। राज्य सरकार इस प्रकार का सौतेला व्यवहार राज्य की जनता से न करें।

बहुत मजबूत होता है ब्याज पर पैसा देने वालों का जाल!

संवाददाता

देहरादून। ब्याज पर पैसा देने वालों का जाल बहुत मजबूत होता है। कहा जाता है कि इनके जाल में जो एक बार फंस गया फिर वह एक का उधार चुकाने के लिए, दूसरे से कर्ज लेगा और दूसरे का चुकाने के लिए तीसरे से लेकिन वह मुक्त नहीं हो सकता। ऐसा होता है ब्याजियों का जाल! इनका जाल मकडी के जाल से भी बारीक होता है जो इसमें फंस गया वह बाहर नहीं निकल सकता!

सूद पर पैसे देने का चलन सदियों से चलता आ रहा है। पहले बडे-बडे साहूकार गरीब लोगों को सूद पर पैसा देकर उनकी जमीनें हडप लिया करते थे। उस समय पर भी जो इन सूदखोरों के चंगुल में फंस जाता था तो वह मरने के बाद भी बाहर नहीं निकल सकता था। पीढी दर पीढी सूदखोर का पैसा चलता रहता था तथा दादा का कर्ज पोता चुकाता था। समय बदलता गया और सूद का नाम भी बदल गया उसको अब ब्याज का नाम दे दिया गया। ब्याज पर पैसा लेने का भी एक नशा है। जिसको ब्याज पर पैसा लेने का नशा चढ गया तो वह फिर कभी नहीं उतरता है। ब्याज पर पैसा देने वालों व पैसा लेने वालों की आज समाज में कमी नहीं है। इस ब्याज का कोई दायरा नहीं है यह पांच प्रतिशत में भी मिल जाता है तो वहीं बीस प्रतिशत में भी यह मिल जायेगा बस लेने वाले के अन्दर हिम्मत होनी चाहिए। जिसने एक बार ब्याज पर पैसा लेना शुरू कर दिया तो वह फिर उससे पीछा नहीं छुडा पाया है। इसके कई प्रमाण भी समाज में मिल जायेंगे। ब्याज पर पैसा लेने वाले को या तो शहर छोडना पडता है या फिर दुनिया! इन दोनों को छोडे बिना वह ब्याजियों से अपना पीछा नहीं छुडा सकता है। कई ऐसे लोग हैं जो अपना घर जमीन बेचकर गुमनामी की जिन्दगी दूसरे शहरों में गुजार रहे हैं। अभी हाल ही में प्रेमनगर मे एक युवक ने ब्याजी के डर से गले पर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी। ऐसे कई उदाहरण मिल जायेंगे। वहीं सरकार व प्रशासन भी इनपर शिकंजा नहीं कस सका है। अधिकारी दावे तो करते हैं कि ब्याज पर पैसा देने वालों के खिलाफ ठोस कार्यवाही की जायेगी लेकिन जब पीडित उनके पास पहुंचता है तो उसको साफ शब्दों में कह दिया जाता है कि पैसा लिया है तो देना भी पडेगा या फिर उसको सिविल का मुद्दा बताकर उसको भगा दिया जाता है। इन ब्याजियों की पकड शासन प्रशासन ने लेकर सत्ता के गलियारों तक में दिखायी देती है और आज तो आलम यह है कि शहर के गली मोहल्लों में कुकरमुत्तों की तरह ब्याज का काम फैल गया है। इनके साफ्ट टारगेट रेहडी, पटरी, ऑटो चालक, आदि छोटे तबके के लोग होते हैं जिनको यह आसानी से डरा धमकाकर पैसा वसूल कर लेते हैं और वह रोने के लिए कहीं जा भी सकता है। यह होती है ब्याजियों की कार्यशैली। जिसको भेदना आसान नहीं है।

सवाल बेहद गंभीर हैं

तो क्या यह समझा जाए कि इन रिपोर्टों में किए गए दावे सही हैं? अगर ऐसा है, तो यह सवाल सवाल अहम हो जाएगा कि इस देश पर सचमुच किसका शासन है? क्या क्रोनी पूंजीवाद अब उस अवस्था में पहुंच गया है, जब राजकाज में प्राथमिक भूमिका राजनीतिक दल या सरकार की नहीं रह गई है?

भारत में असल में राज किसका है? क्या भारतीय जनता पार्टी एक स्वतंत्र राजनीतिक दल के रूप में शासन कर रही है, या वह किन्हीं बेहद मजबूत निहित स्वार्थों की तरफ से राज कर रही है? पत्रकारों के एक समूह की खोजी रिपोर्टों की शृंखला से ये सवाल उठे हैं। यह भी कम गौरतलब नहीं है कि रिपोर्टों की इस सीरीज को किसी भारतीय मीडिया संस्थान के बजाय टीवी चैनल अल-जजीरा अपनी वेबसाइट पर प्रकाशित कर रहा है। इन रिपोर्टों से जो अहम बातें सामने आई हैं, वे हैं- भारत की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस की फंडिंग से ऐसे संस्थान बनाए गए, जिन्होंने भाजपा के पक्ष में चुनावी और उसके माहौल बनाने वाले अन्य इश्तहार सोशल मीडिया पर दिए। इनमें से कुछ विज्ञापनों में भाजपा के मुख्य एजेंडे को आगे बढ़ाने वाली- सांप्रदायिक भावनाओं को भड़काए रखने वाली- सामग्रियां शामिल थीं। सबसे बड़ी टेक कंपनी फेसबुक ने छद्म संस्थाओं की तरफ दिए गए विज्ञापनों को प्रकाशित किया और इस तरह उसने खुद अपने नियम का उल्लंघन किया। जबकि कांग्रेस की तरफ से ऐसे विज्ञापन देने वाली छद्म संस्थाओं पर उसने इस नियम को सख्ती से लागू किया। यानी उसने एकतरफा भूमिका निभाई।

तीसरी बात यह सामने आई है कि फेसबुक ने भाजपा के पक्ष में विज्ञापनों को रियायती दरों पर प्रकाशित किया। चौथा पहलू यह है कि फेसबुक ने अपने एल्गोरिद्म इस तरह सेट किए, जिससे दर्शकों का भाजपा के पक्ष में दिए विज्ञापनों पर अधिक ध्यान जाए और वहां टिका रहे। अब यह भी उल्लेख यहां जरूरी है कि फेसबुक कंपनी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज में भारी निवेश कर रखा है। इस तरह इन दोनों कंपनियों के स्वार्थ आपस में जुड़े हुए हैँ। ये गौरतलब है कि रिपोर्टर्स कलेक्टिव नामक पत्रकारों के समूह की रिपोर्ट सीरिज का अल-जजीरा पर प्रकाशन सोमवार को शुरू हुआ था। बुधवार तक उन कंपनियों या भाजपा की तरफ से इन रिपोर्टों में लगाए गए आरोपों का कोई खंडन सामने नहीं आया। तो क्या यह समझा जाए कि इन रिपोर्टों में किए गए दावे सही हैं? अगर ऐसा है, तो यह सवाल सवाल अहम हो जाएगा कि इस देश पर सचमुच किसका शासन है? क्या क्रोनी पूंजीवाद अब उस अवस्था में पहुंच गया है, जब राजकाज में प्राथमिक भूमिका राजनीतिक दल या सरकार की नहीं, बल्कि परदे के पीछे के निहित स्वार्थों की बन गई है? (आरएनएस)

बात बननी ही नहीं थी

चीन को इस विवाद में अपने लिए नए अवसर नजर आए हैँ। इसके अलावा वहां इस बात का अहसास गहराया है कि आज जिस तरह की लामबंदी रूस के खिलाफ हुई है, आगे चल कर वह निश्चित रूप से चीन के खिलाफ होगी। खास कर ताइवान के मामले में ऐसा होना तय समझा जा रहा है।

यूक्रेन पर रूस के हमले से गहराते वैश्विक संकट के बीच अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से बातचीत की। इसके बाद अमेरिकी में बनी सुर्खियों में कहा गया कि बाइडेन ने शी को चेतावनी दी कि चीन पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों को नाकाम करने के लिए रूस की मदद ना करे। लेकिन ह्वाइट हाउस के बयान में बाइडेन को सिर्फ यह कहते बताया गया कि अगर चीन ने रूस की मदद की, तो उसके 'परिणाम' होंग। बहरहाल, इस बात का शी पर कोई असर हुआ, इसके कोई संकेत नहीं हैं। चीनी मीडिया में सुर्खी यह बनी कि शी ने बाइडेन से कहा कि अमेरिका रूस से बातचीत करे और उसकी सुरक्षा की चिंताओं का हल निकालते हुए समस्या का समाधान ढूंढे। द्विपक्षीय संबंधों के मामले में भी चीन का रुख खासा सख्त रहा। बाइडेन ने कहा कि अमेरिका चीन से टकराव नहीं चाहता और ताइवान के मामले में वह 'एक चीन नीति' पर कायम है। इस पर शी ने कहा कि 'कोई वॉशिंगटन में ऐसा है, जो इन भावनाओं के मुताबिक काम नहीं कर रहा है।'

कुल सार यह है कि स्थिति जस की तस बनी रही। बातचीत के लिए पहल बाइडेन ने की। इसे अमेरिका में गहराते इस अहसास का संकेत माना गया है कि अगर चीन रूस विरोधी लामबंदी में शामिल नहीं हुआ, तो पश्चिमी प्रतिबंध अपना मकसद हासिल नहीं कर सकेंगे। दूसरी तरफ चीन को इस विवाद में अपने लिए नए अवसर नजर आए हैँ। इसके अलावा वहां इस बात का अहसास गहराया है कि आज जिस तरह की लामबंदी रूस के खिलाफ हुई है, आगे चल कर वह निश्चित रूप से चीन के खिलाफ होगी। खास कर ताइवान के मामले में ऐसा होना तय समझा जा रहा है। तो फिर चीन अमेरिका की मदद करेगा, यह उम्मीद ही निराधार है। ऐसे में दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ना लाजिमी है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

बार-बार लगती है प्यास तो अपनाए ये घरेलू उपाय

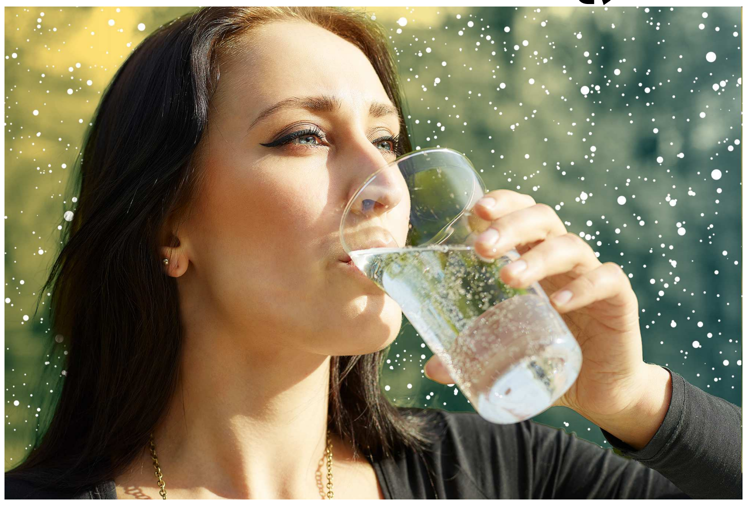

गर्मी का मौसम शुरू हो गया है और इस मौसम में बाहरी तापमान के साथ-साथ शरीर के अंदर का तापमान भी अधिक होता है। ऐसे में इस मौसम में शरीर को पानी एवं द्रव्य पदार्थों की आवश्यकता भी ज्यादा होती है, ताकि तापमान में संतुलन बना रहे। हालाँकि इस दौरान बार-बार पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं बुझती। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो आप घरेलू नुस्खे आजमा सकते हैं जो आज हम आपको बताने जा रहे हैं।

* अगर बार-बार पानी पीने के बाद भी प्यास नहीं बुझती तो पानी में शहद मिलाकर कुल्ला करने या लौंग को मुंह में रखकर चूसने से बार-बार लगने वाली प्यास शांत होती है।

* बार-बार प्यास लगने की समस्या है तो जायफल का इस्तेमाल करें। इसके लिए बस जायफल का एक टुकड़ा मुंह में रखकर चूसते रहें। आपको प्यास नहीं लगेगी।

* गाय के दूध से बना दही 125 ग्राम, शक्कर 60 ग्राम, घी 5 ग्राम, शहद 3 ग्राम व काली मिर्च-इलायची चूर्ण 5-5 ग्राम लें। ध्यान रहे दही को अच्छी तरह मलकर उसमें अन्य पदार्थों को मिलाएं और किसी स्टील या कलई वाले बर्तन में रख दें। उसके बाद उसमें से थोड़ा-थोड़ा दही सेवन करते रहे।

* जौ के भुने सत्तू को पानी में घोलकर, उसमें थोड़ा सा घी मिलाकर पतला-पतला पीये लाभ होगा।

* चावल के मांड में शहद मिलाकर पीने से भी बार-बार प्यास लगना या प्यास न बुझने की समस्या खत्म हो जाती है। पीपल की छाल को जलाकर पानी में डाल दें और जब यह राख नीचे बैठ जाए, तो उस पानी को छानकर पिएं।(आरएनएस)

पाउडर ब्लश बनाम क्रीम ब्लश:दोनों में से किसका इस्तेमाल करना है अच्छा ?

मेकअप लुक बिना ब्लश के एकदम अधूरा लगता है क्योंकि यह चेहरे पर एक फ्रेशनेस लेकर आता है। हालांकि, अभी मार्केट में दो तरह (पाउडर और क्रीम) के ब्लश मौजूद हैं, इसलिए अगर आप इस बात को लेकर उलझन में हैं कि इनमें से कौन से ब्लश का इस्तेमाल करना ज्यादा अच्छा है तो आपकी इस परेशानी को आज हम हल किए देते हैं। आइए आज इन दोनों ब्लश के बारे में विस्तार से जानते हैं।

त्वचा का प्रकार रखता है मायने

आपको खुद के लिए पाउडर ब्लश चुनना चाहिए या क्रीम ब्लश, यह पूरी तरह से आपकी त्वचा के प्रकार पर निर्भर करता है। अगर आपकी त्वचा रूखे प्रकार की है तो आपके लिए क्रीम ब्लश का इस्तेमाल करना उचित होगा क्योंकि यह आपकी त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद करेगा। वहीं, अगर आपकी त्वचा तैलीय या मुंहासे वाली है तो आप पाउडर ब्लश का चयन करें क्योंकि यह आपकी त्वचा के अतिरिक्त तेल को नियंत्रित करने में मदद करेगा।

अपनी जरूरत को समझें

अगर आप मेकअप से ड्रमैटिक लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो मेकअप बेस तैयार करने के बाद अपने गालों पर पहले क्रीम ब्लश, फिर पाउडर ब्लश लगाएं। यह आपके मेकअप को न सिर्फ मैट फिनिश देगा बल्कि इसे लंबे समय तक सही भी रखेगा। बता दें कि क्रीम ब्लश स्टीक की फॉर्म में आता है, इसलिए इसे लगाना ज्यादा आसान होता है। वहीं, पाउडर ब्लश त्वचा के अतिरिक्त तैलीय प्रभाव को कंट्रोल करने में मदद कर सकता है।

दोनों ब्लश में कुछ और खामियां भी हैं

गर्मियों के दौरान पाउडर ब्लश आपके मेकअप लुक को खराब करने का कारण बन सकता है क्योंकि इस मौसम में पसीना आता है, जिसके कारण यह ब्लश फैला सकता है और चेहरे की फाइन लाइन्स में घुस सकता है। वहीं, अगर आप क्रीम ब्लश लगाते हैं तो यह लंबे समय तक नहीं टिकता और इसका रंग धीरे-धीरे फीका पड़ने लगता है। गर्मियों के दौरान तो पसीने के कारण यह ब्लश भी मेकअप को खराब कर सकता है।

पाउडर ब्लश और क्रीम ब्लश में से किसका इस्तेमाल करना है बेहतर?

अब बारी आती है यह उलझन दूर करने की कि पाउडर ब्लश और क्रीम ब्लश में से किसका इस्तेमाल करना ज्यादा बेहतर है। आप चाहें पाउडर ब्लश चुनें या क्रीम ब्लश, यह आपका व्यक्तिगत फैसला है क्योंकि अगर आप अपनी त्वचा के अनुसार ब्लश खरीदते हैं तो उनसे आपको बेहतरीन परिणाम मिलेंगे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य - 79

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

1		3	■	■	4		5	■
	■	6	7			■	8	9
10				■		■	11	
	■	■	12	13		14		■
15	16		■		■		■	17
■		■	18		19		■	
20				■	21		■	
22		■		■		■	23	
24		■	■	■	25			■

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

अप्रैल में रिलीज होगी एंड्रिया जेरेमिया की थ्रिलर फिल्म का-द फॉरेस्ट

निर्देशक नानजिल की नई तमिल थ्रिलर फिल्म का-द फॉरेस्ट में एंड्रिया जेरेमिया और सलीम घोउस मुख्य भूमिका में हैं। ये फिल्म अप्रैल में स्क्रीन पर रिलीज होगी।

शालोम स्टूडियोज के बैनर तले बनी फिल्म को जॉन मैक्स ने निर्मित किया है। इस फिल्म में एंड्रिया ने एक वन्यजीव फोटोग्राफर और सलीम घोउस ने एक वन्यजीव वार्डन की भूमिका निभाई है।

इसे एलिसा ने संपादित किया है। फिल्म में सुंदर सी. बाबू ने संगीत दिया है और अरिवाझगन ने सिनेमाटोग्राफी की है।

एंड्रिया और सलीम घोष के अलावा, फिल्म में मारीमुथु, कमलेश, अक्षिता, नवीन, मूनर सुब्रमण्यम और अर्जुन सिंह भी शामिल होंगे।

फिल्म की यूनिट के करीबी सूत्रों का कहना है कि शालोम स्टूडियो अपनी सातवीं फिल्म संबवम को भी प्रोड्यूस कर रहे है। का अप्रैल में सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस बीच, सूत्रों का कहना है कि संबवम पर काम जोरों पर है, जिसमें अभिनेता श्रीकांत और दिनेश मास्टर मुख्य भूमिका में हैं। (आरएनएस)

विजय की नई फिल्म बीस्ट का गाना जॉली ओ जिमखाना रिलीज

निर्देशक नेल्सन दिलीप कुमार की बीस्ट की टीम में अभिनेता विजय और पूजा हेगड़े मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का एक और गाना जॉली ओ जिमखाना को रिलीज किया है। इस गाने के लिए संगीत अनिरुद्ध ने दिया है, जिसके बोल कू कार्तिक ने लिखे हैं। अभिनेता विजय ने खुद इस गाने को गाया है। गाने को सिर्फ १० मिनट के अंदर यूट्यूब पर 37,००० लाइक्स मिले।

इसे मनोज परमहंस ने शूट किया है। इस फिल्म में निर्देशक सेल्वाराघवन, अभिनेता योगी बाबू, रेडिन किंग्सले, ब्योर्न सुरराव, वीटीवी गणेश, अपर्णा दास, शाइन टॉम चाको, लिलिपुट फारुकी और अंकुर अजीत वीका भी शामिल हैं।

इससे पहले दिन में बीस्ट की टीम ने जॉली ओ जिमखाना की रिलीज से पहले एक प्रोमो वीडियो जारी किया था।

मशहूर हस्तियों सहित कई लोगों ने मस्ती भरे प्रोमो की सराहना की। (आरएनएस)

2 साल बाद स्टेज पर लौटीं राजा कुमारी, पहली बार पंजाब में किया परफॉर्म

हिप हॉप कलाकार राजा कुमारी हाल ही में होली समारोह से पहले मंच पर लौटीं। उन्हें पहली बार पंजाब में प्रदर्शन किया। सिटी स्लम्स स्टार ने हजारों उपस्थित लोगों को फिर से प्राप्त किया और कोरोनो वायरस महामारी के कारण दो साल के अंतराल के बाद औपचारिक महसूस करने वाले करतब को अंजाम दिया।

अपने उत्साह को साझा करते हुए, राजा कुमारी कहती हैं कि मैं इस शो के लिए वास्तव में रोमांचित हूं। उन्होंने चंडीगढ़ के एक रिसॉर्ट में एक विशेष उत्सव में होली क्रेजी फेस्ट के हिस्से के रूप में प्रदर्शन किया। पंजाब में अपने पहले संगीत कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए, उन्होंने आगे कहा कि मैंने पहले कभी पंजाब में प्रदर्शन नहीं किया है और यह मेरा पहला मौका था। मुझे यहां के दर्शकों से बहुत प्यार मिला है। लाइव प्रदर्शन करना और संगीत के माध्यम से उनके साथ जुड़ना अद्भुत था।

अविका गौर कजाकिस्तान में अपनी पहली फिल्म आई गो टू स्कूल को मिली प्रतिक्रिया से उत्साहित

बालिका वधू फेम अविका गौर ने तुर्की में अपनी पहली कजाकिस्तान की फिल्म आई गो टू स्कूल की शूटिंग की। उनका शानदार अनुभव शानदार रहा। फिल्म को मिली प्रतिक्रिया से खुश अविका ने खुलासा किया कि उन्होंने अपने किरदार के साथ न्याय करने के लिए भाषा सीखी थी और वहां की संस्कृति को बेहतर ढंग से समझना था। उन्होंने इसे एक चुनौती के रूप में नहीं बल्कि सीखने के एक और अवसर के रूप में लिया।

वे कहती है कि अज्ञात भाषा और अज्ञात संस्कृति वे चीजें हैं जिनका मैंने तेलुगु फिल्म उद्योग में प्रवेश करते समय सामना किया, लेकिन अंततरू दर्शकों से मुझे जिस तरह का प्यार मिला, वह मुझे इस तथ्य के बारे में और अधिक आश्वस्त करता है कि मैं और अधिक कर सकती हूं। मुझे बहुत गर्व है कि बालिका वधू और मैंने जो टीवी में काम किया है, उसकी वजह से लोग मुझे इतना प्यार और सम्मान दे रहे हैं।

उन्होंने बताया कि आई गो टू स्कूल एक दिलचस्प शीर्षक है। यह एक बहुत लोकप्रिय फ्रेंचाइजी का हिस्सा है। श्रृंखला की पहली फिल्म एक चरित्र पर आधारित थी, जो ज्यादा अंग्रेजी नहीं जानता और केवल आई गो टू स्कूल कह सकता है, और यूएस जाता है। बहुत सारे स्थानीय लोगों ने इस विशेष लाइन को पकड़ लिया और यह प्रसिद्ध हो गया। अभिनेत्री को खुशी हुई कि उन्हें कजाकिस्तान जाने और प्रीमियर पर प्रतिक्रिया देखने और प्रशंसकों से मिलने का मौका मिला। अविका ने साझा किया कि इससे उन्हें दर्शकों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिली। फिल्म को मिल रहे प्यार के लिए वह आभारी महसूस करती हैं।

यशोदा में स्टंट करती नजर आएंगी सामंथा

सामंथा रूथ प्रभु अपनी आने वाली फिल्म यशोदा में कुछ मुश्किल स्टंट करेंगी। हॉलीवुड स्टंटमैन यानिक बेन को अभिनेत्री के लिए स्टंट को प्रशिक्षित करने और कोरियोग्राफ करने के लिए लाया गया है।

सामंथा ने पहले यानिक बेन के साथ लोकप्रिय वेब श्रृंखला द फैमिली मैन 2 के लिए काम किया था। वह एक और बार स्टंट समन्वयक के साथ काम करने वाली हैं।

एक थ्रिलर के रूप में जानी जाने वाली, यशोदा में सामंथा मुख्य भूमिका में होंगी। उत्साहित अभिनेत्री ने अपने स्टंट प्रशिक्षक के साथ तस्वीर सांझा की है।

यशोदा श्रीदेवी मूवीज के तहत नवोदित निर्देशक जोड़ी हरि-हरीश द्वारा निर्देशित

है। शिवलेंका कृष्ण प्रसाद द्वारा निर्मित, यशोदा में तमिल अभिनेत्री वरलक्ष्मी सरथकुमार भी महत्वपूर्ण भूमिका में होंगी।

यशोदा के निर्माताओं का लक्ष्य इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, हिंदी और कन्नड़ में एक साथ रिलीज करना है।

दशहरा की पहली झलक में पहचान में नहीं आए नानी

अभिनेता नानी (जिन्हें आखिरी बार श्याम सिंह रॉय में देखा गया था) दशहरा में ग्रामीण पृष्ठभूमि के साथ एक देहाती भूमिका निभाएंगे। निर्माताओं ने रविवार को स्पार्क ऑफ दशहरा टाइटल के साथ फर्स्ट-लुक पोस्टर जारी किया है।

देहाती लुक में, मिट्टी की पृष्ठभूमि के साथ, नानी को पहले कभी नहीं अवतार में देखा गया।

जैसा कि ईगा अभिनेता ने अपनी सोशल मीडिया वेबसाइटों पर स्पार्क ऑफ दशहरा साझा किया, उन्होंने लिखा, दशहरा रेज इज रियल।

नवोदित अभिनेता श्रीकांत ओडेला द्वारा निर्देशित, फिल्म में कीर्ति सुरेश प्रमुख महिला हैं। एसएलवी सिनेमाज बैनर के तहत सुधाकर चेरुकुरी द्वारा निर्मित, फिल्म में समुथिरकानी, साई कुमार और जरीना वहाब प्रमुख भूमिकाओं में हैं। संतोष नारायणन संगीत रचना के प्रभारी हैं, जबकि फिल्म में अन्य प्रसिद्ध तकनीशियन हैं।

ऐश्वर्या रजनीकांत ओ साथी चल से बॉलीवुड निर्देशक के रूप में करेंगी शुरुआत

रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या कुछ समय से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में थीं। धनुष से अलगाव को लेकर वह खूब सुर्खियों में रहीं। खैर, अब ऐश्वर्या अपनी जिंदगी में आगे बढ़ काम पर फोकस कर रही हैं। साउथ के बाद वह बॉलीवुड में अपनी किस्मत आजमाने वाली हैं। वह अपनी पहली हिंदी फिल्म का निर्देशन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। खुद ऐश्वर्या ने इस फिल्म की घोषणा कर दी है। ऐश्वर्या रजनीकांत ने इंस्टाग्राम पर अपनी पहली हिंदी फिल्म का पोस्टर शेयर किया। इसमें एक खाली गली का नजारा दिख रहा है, जिसमें बंद घरों के बाहर एक साइकिल खड़ी है। इसके साथ ऐश्वर्या ने लिखा, मेरा हफ्ता इससे बेहतर शुरू नहीं हो सकता। हिंदी में अपने निर्देशन में बनने वाली पहली फीचर फिल्म ओ साथी चल की घोषणा कर उत्साहित, खुश और धन्य महसूस कर रही हूं। यह एक असाधारण सच्ची प्रेम कहानी है, जिसकी निर्माता मीनू चोपड़ा हैं। ऐश्वर्या से पहले उनके पिता रजनीकांत और पूर्व पति धनुष भी बॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके हैं और दोनों को ही हिंदी पट्टी के दर्शकों ने खूब पसंद किया है। अब देखना होगा कि ऐश्वर्या की दाल बॉलीवुड में गलती है या नहीं।

ऐश्वर्या ना सिर्फ निर्देशक, बल्कि एक बेहतरीन प्लबैक सिंगर के रूप में भी दक्षिण भारतीय सिनेमा में अपनी एक खास पहचान बना चुकी हैं। उन्होंने रोमांटिक थ्रिलर फिल्म 3 का निर्देशन किया था। इसमें धनुष और श्रुति हासन की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म का गाना वाय दिस कोलावेरी डी बहुत लोकप्रिय हुआ था। ऐश्वर्या ने कॉमेडी फिल्म वाई राजा वाई के निर्देशन की कमान भी संभाली। वह डबिंग आर्टिस्ट के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। ऐश्वर्या का नया गाना पयानी हाल ही में रिलीज हुआ है। इस गाने को लोगों से काफी सराहना मिल रही है। धनुष ने भी उनके इस गानों पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने गाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, आपके गाने पयानी के लिए आपको शुभकामनाएं मेरी दोस्त ऐश्वर्या। धनुष के इस पोस्ट पर ऐश्वर्या ने जवाब देते हुए लिखा, शुक्रिया धनुष। इससे जाहिर होता है कि अलग होने के बाद भी दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता बरकरार है।(आरएनएस)

विमान को खराब मौसम से बाहर निकालने की जद्दोजहद में अजय!

अजय देवगन आजकल फिल्म रनवे 34 को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनके साथ अमिताभ बच्चन और रकुल प्रीत सिंह नजर आएंगी। कुछ दिन पहले ही अजय ने घोषणा की थी कि रनवे 34 का ट्रेलर 21 मार्च को दर्शकों के बीच आएगा। तभी से दर्शक इसकी राह देख रहे थे। आज दर्शकों का यह इंतजार खत्म हो गया है। फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

फिल्म में अजय कैप्टन विक्रांत खन्ना की भूमिका में नजर आ रहे हैं। वह को-पायलट रकुल (तान्या) के साथ एक विमान उड़ा रहे हैं, लेकिन खराब मौसम के चलते उनके विमान का संतुलन बिगड़ जाता है। ट्रेलर में दिखाया है कि पायलट के रोल में अजय 35 हजार फीट की ऊंचाई में खराब मौसम के बीच विमान के यात्रियों की जान बचाने की कोशिश कर रहे हैं। फिल्म की कहानी पायलट के नजरिए से दिखाने की कोशिश की गई है।

अमिताभ ने ट्विटर अकाउंट पर इस फिल्म का ट्रेलर शेयर कर लिखा, हर सेकेंड का महत्व है, गर्व से पेश है अजय देवगन के निर्देशन में बनी फिल्म रनवे 34 का ट्रेलर। हम टेक-ऑफ के लिए तैयार हैं। ट्रेलर में अमिताभ एक वकील की भूमिका में दिख रहे हैं। कोर्ट में उनके तीखे सवालों के जवाब देने में अजय नाकाम दिखते हैं। ट्रेलर में कैरी मिनाटी, बोमन ईरानी और आकांक्षा सिंह का लुक भी सामने आ गया है। इस फिल्म में उन पहलुओं को छुआ गया है, जिससे काफी लोग अनजान हैं। फिल्म के विजुअल्स भी धांसू लग रहे हैं दूसरी तरफ अजय का दमदार अंदाज देखने लायक हैं। नारायण वेदांत के रूप में अमिताभ के डायलॉग भी इसमें ध्यान खींच रहे हैं।

इस फिल्म के जरिए अजय ने निर्देशन की दुनिया में वापसी की है। उन्होंने इससे पहले 2016 में आई फिल्म शिवाय का निर्देशन किया था। इससे भी पहले उन्होंने फिल्म यू मी और हम का निर्देशन किया था। रनवे 34 अजय के निर्देशन में बनी तीसरी फिल्म है। अजय इस फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म का निर्माण उनकी प्रोडक्शन कंपनी अजय देवगन फिल्म्स के बैनर तले हुआ है। रनवे 34 इस साल 29 अप्रैल को रिलीज होने वाली है।

रनवे 34 की कहानी जेट एयरवेज की दोहा कोच्चि फ्लाइट की एक सच्ची घटना से प्रेरित है। यह घटना 2015 की है, जब खराब मौसम, खराब दृश्यता व कई मुश्किलों के बावजूद पायलट ने एयरपोर्ट पर विमान को लैंड करा दिया था। कहा जाता है कि यह एक तरह से ब्लाइंड लैंडिंग थी। इस ब्लाइंड लैंडिंग में करीब 150 यात्रियों की जान दांव पर लगी हुई थी। इस वजह से फ्लाइट के कैप्टन को डिमोशन का सामना करना पड़ा था। अजय जल्द ही स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म मैदान में दिखेंगे। इसमें वह एक फुटबॉल कोच की भूमिका निभाएंगे। उन्हें निर्देशक एस एस राजामौली की फिल्म आरआरआर में भी देखा जाएगा। वह रेड 2 में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। अजय तमिल फिल्म कैथी के हिंदी रीमेक में भी काम कर रहे हैं। वह फिल्म दृश्यम 2 को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा अजय निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म बैजू बावरा में तानसेन की भूमिका निभाने वाले हैं।

इतिहास लाइव!

हरिशंकर व्यास

इतिहास है लाइव। मनुष्य जिजीविषा की शाश्वतता के दीये में समय का लाइव इतिहास। कौन कहता है कि 'इतिहास खत्म' हुआ या कभी-कभार दोहराता हुआ? मनुष्य से क्योंकि इतिहास है तो उसका होना, उसकी जिजीविषा, उसकी असुरी बनाम देव, झूठ बनाम सत्य की प्रवृत्तियों के भभकों में भला 'इतिहास अंत' कैसे संभव? दो दिन पहले वैश्विक चिंतक फ्रांसिस फुकोयामा का 'बीबीसी' पर इंटरव्यू सुना। दिलचस्प लगा यह जानना कि यूक्रेन की लड़ाई से उन्हें इतिहास जिंदा समझ आया। ध्यान रहे शीतयुद्ध खत्म होने के साथ फुकोयामा ने 'इतिहास का अंत' की थीसिस में विचार दिया था कि अब सब ठीक। मानव समाज अब नॉर्मल इसलिए 'इतिहास का अंत'। भविष्य में ऐसा कुछ नहीं होगा, जिनकी गंभीर घटनाओं, परिवर्तनों पर इतिहास बनता जाए।

कितने नादान और भोले हैं दुनिया के लिबरल! और यह सत्य घटनाओं से लगातार प्रमाणित है। पृथ्वी के पौने आठ अरब लोगों में मुश्किल से डेढ़-दो अरब लोग इंसान की तरह स्वतंत्र, स्वाभिमानी और सत्यवादी असली जीवन जीते हुए होंगे। बावजूद इसके कई उदारवादी-ज्ञानी विचारकों का सोचना रहा है कि वे क्योंकि सभ्य, भला व उड़ता हंस जीवन लिए हुए हैं तो जो बाकी के छह-सात अरब लोग हैं उन पर भला क्या सोचना। रूस, चीन, भारत, इस्लामी देशों, अफ्रीकी देशों पर क्या सोचना? डोनाल्ड ट्रंप, शी जिनफिंग, पुतिन, नरेंद्र मोदी, इमरान खान, विन मिन्त, किम जोंग, निकोलस मादुरो, डेनियल ओर्टेगा आदि की उस भीड़ पर क्या सोचना जिनकी अनुदारवादी या निरंकुश मनमानी में लोकशाही कभी भी तानाशाही में बदल जाती है और निरंकुशता से क्रीमिया, यूक्रेन होता है और इंसान का जीवन निरंकुश पिंजरों का पालतू!

उस नाते गजब! वक्त भी पलटी मारते हुए है, जिससे जहां इतिहास लाइव है वहीं खटका है कि 21वीं सदी कहीं महाइतिहास, महाभारत के वे निर्णायक संघर्ष तो लिए हुए नहीं है, जिसमें सभ्यताओं के संघर्ष से लेकर पहचान-धर्म की जिद्द व मानवीय इच्छाओं और हितों के साम्राज्यावादी विस्फोट संभव हैं तो नेता विशेष के पागलपन के महायुद्ध भी संभव। इनसे भी बड़ा अहम मसला कि भूमंडलीकरण में पौने आठ अरब लोगों में कोई छह अरब लोगों का जीना कब तक घुटता हुआ रहेगा? क्या दुनिया के लिबरल कभी वह विश्व व्यवस्था बना सकेंगे, जिसमें मनुष्य जीवन की मनुष्यता में स्वतंत्रता-सार्वभौमता सीमाओं से मुक्त हो यूनिवर्सल अस्तित्व लिए हो! लाइव इतिहास में पूरी मनुष्यता समान भाव वैसी ही जिंदादिल व्यवहार करती हुई हो जैसे अभी यूक्रेन में दिख रहा है।

इस नाते नोट रखें 24 मार्च 2022 के इतिहास दिन को। ठीक एक महीने पहले किसने सोचा था कि तानाशाह व्लादीमिर पुतिन अपनी राक्षसी ताकत से यूक्रेनियों के घुटने नहीं टिका देंगे? बल्कि यूक्रेनी लड़ते हुए होंगे! यूक्रेन जिंदा रहेगा! यूक्रेनी लोग ध्वंस, विध्वंस, खौफ के चौबीसों घंटे तांडव के बावजूद समर्पण नहीं करेंगे। पर लाइव इतिहास में क्या दिखता हुआ? इंसान की स्वंतत्रता, निर्भयता, मनुष्यता, जिजीविषा के दीये का कमाल! पुतिन ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन में रूसी टैंक दौड़ाए थे। आज 25 मार्च है, तो याद करें एक महीने में इतिहास का लाइव प्रदर्शन क्या था? पुतिन जहां मनुष्यता को मारने वाले जगजाहिर बर्बर असुर तो यूक्रेन के लोग जिंदादिल इंसान। असुर और देवता, राक्षस और मानव, रावण और राम, तानाशाह और लोकतांत्रिक, जंगली बनाम सभ्य के द्वंद्व का लाइव इतिहास 21वीं सदी में पुतिन बनाम पश्चिम के शक्ति परीक्षण की ओर बढ़ता हुआ है तो इसका शानदार, भव्य पहलू यूक्रेनी लोगों की आजादी की चाहना का दीया है। कोई माने या न माने पौने आठ अरब लोगों में जितने भी इंसान (गंवार, भेड़-बकरियां, पालतू जानवर नहीं) है वे सब फिदा होंगे, गौरवान्वित और चमत्कृत होंगे यूक्रेन में मानव जिजीविषा का कमाल देख कर!

तभी सलाम यूक्रेन और यूक्रेन के लोगों को! विचारें यूक्रेन के लोगों को कौन बांधे हुए है? उन्हें एकजुट बनाए रखने का धागा क्या है? रूस के इतने भयावह आक्रमण के बाद वहां सरकार, व्यवस्था, प्रशासन, राष्ट्रपति, संसद आदि का क्या और कितना मतलब है? बावजूद इसके हर नागरिक स्वंय में सरकार, सैनिक, कर्मचारी, स्वंयसेवक और पुतिन और रूस की ऐसी-तैसी करने का निज संकल्प बनाए हुए। बुरी तरह बरबाद, ध्वंस के खंडहरों में भी यूक्रेनी लोग, फायरब्रिगेडकर्मी, चिकित्साकर्मी लोगों को निकालते हुए। पुरूष समाज औरतों व बच्चों को सीमा पार भिजवाते हुए ताकि वे निश्चितता से रूसी सेना से मुकाबले में जुटें। जो औरतें अकेली वे देश में ही है अलग-अलग जिम्मेवारियां लेते हुए। कोई अनाथ बच्चों की देखभाल करते हुए तो कोई पुतिन के युद्ध अपराधों का रिकार्ड बनाते हुए। कोई बोरों में रेत भरते हुए ताकि शहरों की मोर्चेबंदी में काम आए और वह चौतरफा रूसी टैंकों को रोक सके। इस जज्बे को क्या नाम देंगे? ऐसे जज्बे वाले पृथ्वी पर कितने लोग होंगे? टैंक, गोलाबारी, हवाई हमलों, मिसाइल हमलों से यूक्रेन के मर्द भागे नहीं, बल्कि उलटे सिविल सैनिक डटकर सड़क किनारे कंधे पर एंटी टैंक मिसाइल लिए टैंकों पर लांचर छोड़ने का हौसला बताते हुए! तभी 24 मार्च 2022 के दिन यूरोपीय संघ के मुख्यालय में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नाटो के 29 देशों के राष्ट्र प्रमुखों, फिर यूरोपीय यूनियन के राष्ट्र प्रमुखों और उसके बाद जी-7 के नेताओं के साथ जो फोटो खिंचाएं, जो विचार-विमर्श किया और पोलैंड की सीमा पर जा कर यूक्रेनी शरणार्थियों की जैसे हिम्मत बंधाई वह दूसरे महायुद्ध के बाद का अपूर्व मामला है। यूक्रेन के लोगों ने दुनिया में उन लोगों में जान फूंकी है, उन लोगों को आह्वान किया है, जो उदारमना हैं और जो मानते हैं कि मनुष्य की मनुष्यता की सार्थकता तभी है जब हर मनुष्य स्वतंत्रता की लौ लिए हुए हो।

मैं कमजोर और महाबली की लड़ाई को हमेशा दीये बनाम तूफान का नाम देता हूं ताकि यह सत्य दिमाग में पैठे कि रावण, हिटलर, पुतिन जैसे अहंकारी, अत्याचारियों की अपार ताकत भी अंततः दीये के आगे घुटने टेकती है। यही इतिहास का लाइव सनातनी सत्य है। यूक्रेन में लड़ाई चलेगी। आजादी का दीया जलता रहे, यह आसान नहीं। मगर अब तक जो हुआ है वह इतिहास की गजब दास्तां है और इस लाइव इतिहास में आगे यह तय होना है कि मनुष्यता और वक्त आगे कैसा टर्न लेता है!

अन्वेषी जैन के इंस्टाग्राम पर तेजी से बढ़ रही है फॉलोअर्स की लिस्ट

अल्ट बालाजी की मशहूर सीरीज गंदी बात से अलग पहचान हासिल करने वाली एक्ट्रेस अन्वेषी जैन के साथ बीते 24 घंटों में कुछ ऐसे हुआ कि उन्हें इसपर यकीन कर पाना बहुत ही ज्यादा मुश्किल हो गया है. ये खबर अन्वेषी ने सोशल मीडिया में माध्यम से ही फैंस के साथ साझा की है और सभी का शुक्रिया कहा है. दरअसल, अन्वेषी के इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की लिस्ट बहुत तेजी से बढ़ रही हैं जिसपर उन्हें खुद भी यकीन नहीं हो रहा है.

रिपोर्ट्स के अनुसार अन्वेषी ने अपनी एक बहुत ही खूबसूरत तस्वीर साझा करते हुए लिखा, हाई, हमने 5.3 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा छू लिया है! भगवान ही जानते हैं कि क्या हो रहा है जो मेरे एक ही दिन में 71 हजार फॉलोअर्स बढ़ गए हैं... सिर्फ 24 घंटों में. अगर ये कोई जादू नहीं है तो मुझे नहीं पता आखिर ये क्या है. मुझे अपने साथ आप लोगों को खड़े देखकर मजबूत महसूस होता है. सभी का शुक्रिया. इतना ही नहीं हम बता दें कि अन्वेषी की आयु अभी महज 30 साल है.

अभिनेत्री के इस पोस्ट से साफ नज़र आ रहा है को वो अपने तेजी से बढ़ते फॉलोअर्स की लिस्ट और संख्या से बहुत खुश हैं. वहीं अन्वेषी ने अपने करियर की शुरुआत मॉडल के तौर पर शुरू की थी, लेकिन पॉपुलैरिटी एकता कपूर की वेब सीरीज गंदी बात के साथ मिली थी.

सू- दोकू क्र. 79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

साहिल फूल ने अपनी फिटनेस के बारे में बताया

अभिनेता साहिल फूल दोस्ती अनोखी में अपने किरदार के लिए सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने बनारसी भाषा बोलने के ढंग को ठीक करने से लेकर शरीर पर अपने किरदार में ढलने के लिए काफी मेहनत की है।

वह शो में काशी का किरदार निभा रहे हैं। अपनी फिटनेस के बारे में साहिल ने कहा, एक अभिनेता के रूप में किसी को हमेशा अपने अभिनय कौशल और अपने लुक पर ध्यान देने की जरूरत होती है, खासकर ऐसे समय में जब उन्हें किसी खास किरदार में फिट होने की जरूरत है।

अभिनेता ने कहा कि खाने के शौकीन होने के नाते उन्हें अपने आहार के बारे में अतिरिक्त सतर्क रहना होगा और रोजाना कसरत पर ज्यादा ध्यान देना होगा।

साहिल ने कहा, मैं खाने का शौकीन हूं, लेकिन मैं जिस पेशे में हूं, उसके लिए मुझे हर समय अपने सर्वश्रेष्ठ रूप और शेप में रहना पड़ता है, इसलिए मैं साधारण घर का बना खाना खाकर सक्रिय रूप से संतुलन बनाने की कोशिश करता हूं। मैं इंटरमिटेंट फास्टिंग करता हूं और हफ्ते में कम से कम चार बार एक्सरसाइज करता हूं। व्यायाम का मेरा पसंदीदा रूप कोर स्ट्रेंथ ट्रेनिंग है। साथ ही मैं खुद को सीमित रखने में विश्वास नहीं करता इसलिए मैं संयम से सब कुछ खा लेता हूं।

दोस्ती अनोखी सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होता है।

श्रीलंका, नया सिरदर्द

पर्यटन पर निर्भर श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर पहले ही कोविड के दौरान पर्यटन बंद रहने से मार पड़ी थी। अब देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई है। साथ ही महंगाई आसमान पर है। शरणार्थियों ने बताया कि उनके अपना देश छोड़ कर भारत आने का कारण श्रीलंका का गंभीर आर्थिक संकट है।

श्रीलंका गहरे आर्थिक संकट में है, ये बात तो अब जग-जाहिर है। लेकिन वहां की हालत अब भारत के लिए चिंता का विषय बनने जा रही है। ऐसी खबर पहली बार आई है कि श्रीलंका में असहनीय हालात से परेशान लोग लोग देश छोड़ कर समुद्र के रास्ते भारत आ रहे हैं। इस हफ्ते खबर आई कि 16 श्रीलंकाई तमिल नावों के जरिए तमिलनाडु के रामेश्वरम पहुंचे। इस बात की पुष्टि रामनाथपुरम के जिला कलेक्टर ने भी की है। उसके बाद 31 और लोगों के आने की जानकारी सामने आई। मीडिया रिपोर्टों में बताया गया है कि श्रीलंका के जाफना और मन्नार इलाकों से ये लोग समुद्र के रास्ते दो जत्थों में तमिलनाडु पहुंचे। फिलहाल इन लोगों को समुद्री पुलिस की निगरानी में रखा गया है। इन लोगों के पास उनके पासपोर्ट तक नहीं हैं। मीडिया रिपोर्टों में तमिलनाडु के खुफिया अधिकारियों के हवाले से यह भी बताया गया है कि आने वाले हफ्तों में करीब 2,000 शरणार्थी श्रीलंका से तमिलनाडु आ सकते हैं। तमिलनाडु सरकार इस स्थिति से निपटने के लिए क्या तैयारी कर रही है, यह अभी मालूम नहीं हुआ है। शरणार्थियों ने बताया कि उनके अपना देश छोड़ कर भारत आने का कारण श्रीलंका का गंभीर आर्थिक संकट है। पर्यटन पर निर्भर श्रीलंका की अर्थव्यवस्था पर पहले ही कोविड के दौरान पर्यटन बंद रहने से मार पड़ी थी।

अब देश में विदेशी मुद्रा की भारी कमी हो गई, जिसकी वजह से सरकार आम जरूरत के सामान के आयात की कीमत नहीं चुका पा रही है। इस वजह से दवाओं, ईंधन, दूध का पाउडर, रसोई गैस आदि जैसी चीजों की भारी कमी हो गई है। जितना भंडार उपलब्ध है, उसके दाम आसमान छू रहे हैं। ऐसी खबरें लगातार आती रही हैं कि श्रीलंका में चावल और चीनी के दाम लगभग 300 रुपए किलो तक पहुंच गए हैं। दूध का पाउडर करीब 1600 रुपए किलो बिक रहा है। पेट्रोल पंपों और मिट्टी तेल की दुकानों के बार लंबी लंबी कतारें लग रही हैं, जिनमें लोगों को घंटों खड़े रहना पड़ रहा है। उन कतारों में खड़े तीन लोगों की मौत की खबर इसी हफ्ते आई थी। हालात इतने गंभीर हैं कि कॉपी की किल्लत के कारण सरकार को स्कूली परीक्षाएं रद्द करनी पड़ी हैं। इसलिए और शरणार्थी आएंगे, ये अनुमान लगाया जा सकता है। इस स्थिति से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर कदम उठाने होंगे।(आरएनएस)

पानी-बिजली के कनेक्शन नहीं काटे जाने को लेकर मुख्यमंत्री ने दिये आदेश

विशेष संवाददाता

देहरादून। सरकारी विभागों द्वारा इन दिनों की जा रही अपने-अपने बिलों की वसूली और बिल भुगतान न करने वालों पर कनेक्शन काटने की कार्यवाही के विरोध में सत्र के पहले दिन आधा दर्जन विधायकों ने मुख्यमंत्री धामी से मुलाकात की। विधायकों ने कहा कि बिजली-पानी के कनेक्शन काटने का आदेश अव्यवहारिक है क्योंकि इन दिनों गर्मी का प्रकोप है। इस मामले में मुख्यमंत्री द्वारा मुख्य सचिव को कनैक्शन न काटने की कार्यवाही करने के आदेश दिये गये है। मंगलवार को सत्र के पहले दिन भाजपा विधायक विशन सिंह चुफाल, सरिता आर्य, किशोर उपाध्याय, मुन्ना सिंह चौहान और खजानदास ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होने कहा कि गर्मियों के मौसम को देखते हुए बिजली व पानी के बिल जमा न कराने वालों का कनेक्शन न काटा जाये। उन्होने कहा कि ऐसे लोगों का बिल एक साथ न लेकर किश्तो में लेने की व्यवस्था की जाये। जिस पर संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सचिव को निर्देश दिये गये है कि गर्मियों के मद्देनजर ऐसे लोगों के कनेक्शन न काटे जाये।

मन्दिर से लाखों की मूर्तियां व सामान किये चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने काशी विश्वनाथ मन्दिर से लाखों की मूर्तियां व सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुरानी चुंगी हरिद्वार रोड निवासी भगत राम कोठारी ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि रात्रि को हमारे मंदिर (काशी विश्वनाथ महादेव) जो कि पुरानी चुंगी हरिद्वार रोड़ में स्थित है मंदिर परिसर में मेरा परिवार रहता है चोरो द्वारा हमारे इष्ट, कुल देवताओ की डोली चुरा ली गई जिसमें दो अष्टधातु की शिव पार्वती की मूर्ति, ३ चांदी की मूर्ति जिसमें दुर्गा लक्ष्मी गणेश जी की मूर्ति एंव दो छत्र चांदी के, एक हमारे पूर्वजो के हाथ का भारी कड़ा (चांदी) व अष्टधातु की डोली व अष्टधातु की एक परात एंव अष्टधातु की दो कटोरी थी इससे हमारी आस्था, धर्म व विश्वास को बहुत ठेस पहुंची है यह हमारे पूर्वजो व पित्रो की धरोहर थी जो अमूल्य है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

शिक्षा माफिया पर कागज का ही बुलडोजर चलवा दे सीएमः अखिलेश

लखनऊ। पूर्व सीएम व सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पेपर लीक होने के मामले में सरकार पर बड़ा हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री शिक्षा माफिया पर बुलडोजर कब चलवायेंगे। उन्होंने कहा कि सीएम शिक्षा माफिया पर कागज का ही बुलडोजर चलवा दें। उन्होंने कहा कि यूपी में शिक्षा माफिया इस कदर हावी है कि हर साल पेपर लीक हो रहे हैं और सरकार नकल विहीन परीक्षा का दावा करती है।

डीआईओएस बलिया सस्पेंड

लखनऊ। बलिया डीएम व एसएसपी से मुख्य सचिव द्वारा इस मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है वहीं प्रथम दृष्टया घटना का दोषी मानते हुए बलिया के डीआईओएस को सस्पेंड कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के सख्त तेवरों के बाद शासन ने पेपर लीक मामले में अब बलिया के डीएम और एसएसपी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। वहीं एसडीएफ को जांच सौंप दी गई। एसडीएफ की टीम बलिया रवाना हो चुकी है।

यूपी बोर्ड 12वीं के अंग्रेजी का पर्चा..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

पेपर लीक की सूचनाएं प्राप्त हुई उन सभी 24 जिलों में पेपर रद्द कर दिया गया। यह पेपर मीडिया के पास भी परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले पहुंच गया था।

जिन जिलों में फिलहाल परीक्षा रद्द की गई है उनमें आगरा, अलीगढ, इटावा, मैनपुरी, कानपुर देहात, गाजियाबाद, बुलंदशहर, बड़ौत, बागपत, बदायूं, शाहजहांपुर, गोंडा, गोरखपुर, सीतापुर, ललितपुर, अंबेडकरनगर,जालौन, चित्रकूट, एटा, महोबा, उन्नाव, बस्ती, बलिया सहित 24 जिले शामिल है। बोर्ड द्वारा भले ही अन्य 51 जिलों में परीक्षाएं कराई जा रही है लेकिन उनके भविष्य पर भी सवालिया निशान लगा हुआ है। इस मामले की जांच जहां बोर्ड स्तर पर की जा रही है वहीं इसकी जांच एसडीएम को भी सौंप दी गई। पेपर लीक की इस घटना से शासन प्रशासन में हड़कंप मचा हुआ है।

छात्र-छात्राओं ने देखी विधानसभा सत्र की कार्यवाही

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड राज्य की पांचवीं विधानसभा के प्रथम सत्र के दूसरे दिन उत्तरांचल विश्वविद्यालय, देहरादून से पत्रकारिता में अध्ययन कर रहे ३० छात्र–छात्राओं ने दर्शक दीर्घा में बैठकर सदन की कार्यवाही देखी। संसदीय कार्यवाही देखने के उपरांत बच्चों ने विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण का आभार व्यक्त करते हुए पहली महिला विधानसभा अध्यक्ष बनने पर बधाई दी।

देहरादून स्थित उत्तरांचल विश्वविद्यालय में पत्रकारिता विषय पर स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई कर रहे छात्र छात्राओं को आज उत्तराखंड विधानसभा अध्यक्ष ने सदन की कार्यवाही देखने का मौका दिया। एचओडी डॉ. जितेंद्र सिन्हा एवं पवन डबराल, एसिस्टेंट प्रोफेसर के नेतृत्व में पत्रकारिता एवं जनसंचार के ३० छात्रों के एक दल ने दर्शक दीर्घा में बैठ कर सदन की कार्रवाई से रूबरू होने का मौका मिला।सदन की कार्रवाई देखने के बाद सभी छात्र–छात्राओं में गजब का उत्साह देखने को मिला, सभी में लोकतंत्र के मंदिर को इतने पास से देखने एवं सदन के भीतर विधानसभा सदस्यों द्वारा विभिन्न विषयों पर की जा रही चर्चा को लेकर उत्सुकता भी पैदा हुई। विधानसभा अध्यक्ष ने अपने सभाकक्ष में सभी छात्र–छात्राओं से बातचीत की, वहीं ऋतु खंडूड़ी भूषण ने सदन संचालन एवं सत्र की कार्यवाही को लेकर पूछे गए प्रश्नों का बच्चों को जवाब भी दिया।

ग्राहक बनकार आये थे चोर

संवाददाता

देहरादून। ग्राहक बनकार आये दो लोगों ने सुनार की दुकान से जेवरात चा ेरी कर लिये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पॉलिटैक्निक रोड निवासी मनोज कुमार ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी रिदि ज्वैलर्स नालापानी वस स्टैण्ड के पास दुकान है जिसमे आज दिन मे साढे ग्यारह बजे मेरी दुकान पर 2 व्यक्ति आये जिन्होने सोने का सामान दिखाने के बाहने सोने की ज्वैलरी चुरा कर ले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

फिल्म की शूटिंग के लिए डोईवाला पहुंचे बिग बी

कार्यालय संवाददाता

डोईवाला। सदी के महानायक बिग बी अमिताभ बच्चन अपनी फिल्म की शूटिंग के लिए इन दिनों उत्तराखंड में हैं। फिल्म की शूटिंग के लिए अमिताभ बच्चन बुधवार सुबह तड़के ऋषिकेश से जॉलीग्रांट पहुंचे। बाद में वह अपनी टीम के साथ थानों शूटिंग के लिए रवाना हुए। इस बीच प्रशंसकों को उनकी एक झलक देखने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। फिल्म की शूटिंग ऋषिकेश के लक्ष्मण झूला, राम झूला, सीता घाट, जानकी सेतु, रानीपोखरी चौक और जौलीग्रांट एयरपोर्ट सहित कई स्थानों पर हो गई है। सुरक्षा की दृष्टि से अमिताभ बच्चन ने मीडिया और फैन से दूरी बनाई गई है। अमिताभ बच्चन बीती २५ मार्च को मुंबई से जौलीग्रांट फिल्म की शूटिंग के लिए पहुंचे थे।

सामाजिक न्याय संगठन ने छात्रों को ट्रेक सूट बांटे

संवाददाता

देहरादून। मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को ट्रेक सूट वितरित किये।

आज यहां मानवाधिकार एवं सामाजिक न्याय संगठन द्वारा आज तिलक रोड स्थित डांडीपुर मन्नू गंज हकीकत राय नगर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्राओं को ट्रैक सूट वितरित किए गए। संगठन के चेयरमैन सचिन जैन एवं राष्ट्रीय सलाहकार नरेश चंद जैन ने कहा कि मानवाधिकार संगठन को दी गई इस सहायता के लिए पंजाब नेशनल बैंक कार्यालय विधानसभा मंडल प्रमुख राजेंद्र भाटिया एवं वीरेंद्र बोरा , एम नौटियाल, का धन्यवाद करते है। इस अवसर पर संगठन की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु जैन ने कहा कि मानवाधिकार का मुख्य उद्देश्य असमानता का भेदभाव को दूर करते हुए समानता लाना है जिसके अंतर्गत आज हमने यह ट्रैक सूट वितरित किए गए हैं। ताकि किसी भी बच्चे में दीनता की भावना जागृत न हो इसी उद्देश्य से हम यह ट्रैक सूट वितरण कार्यक्रम कई वर्षों से लगातार करते आ रहे हैं। जितेंद्र डंडोना बच्चों का अपने विचारों के माध्यम से मनोबल बढ़ाया और संगठन के द्वारा किए गए कार्य सबके सम्मुख रखे और सराहना की। इस अवसर पर प्रदेश कानूनी सलाहकार राजकुमार तिवारी, उदय सिंह पुंडीर, शेखर नौटियाल, स्कूल प्रधानाध्यापिका मधु सिंह, शांति उनियाल, एसपी सिंह, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

कांग्रेस का विधानसभा में धरना-प्रदर्शन

विशेष संवाददाता

देहरादून। विपक्ष कांग्रेस आज विधानसभा सत्र के दूसरे दिन भी सरकार के खिलाफ हमलावर दिखी। कांग्रेस के विधायकों का आरोप है कि भाजपा के नेता हरिद्वार में मिली हार को पचा नहीं पा रहे हैं जिसके कारण पार्टी कार्यकर्ताओं का तरह-तरह से उत्पीड़न किया जा रहा है। इस मामले को लेकर आज हरिद्वार ग्रामीण से चुनाव जीतकर आई अनुपमा रावत ने आज इसके विरोध में विधानसभा में धरना प्रदर्शन किया। भले ही कल महंगाई के खिलाफ उनके द्वारा किए गए धरना प्रदर्शन में उनके साथ कोई भी कांग्रेसी विधायक नहीं आया था लेकिन आज हरीश धामी सहित कई विधायक उनके साथ धरने पर बैठे देखे गए। उनका आरोप है कि हरिद्वार में भाजपा के छोटे सीएम की सत्ता चल रही है और गरीब लोगों के घर, मकान और दुकान तोड़े जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा नेताओं पर बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह सत्ता का यह उत्पीड़न कतई भी बर्दाश्त नहीं करेंगे। एक बार कांग्रेसी विधायकों को समझा-बुझाकर उठा दिया गया तो वह थोड़ी देर बाद फिर धरने पर बैठ गए।

●हरिद्वार में कांग्रेस कार्यकर्ताओं की उत्पीड़न का मामला
●अनुपमा के साथ कई विधायक बैठे धरने पर

उल्लेखनीय है कि अनुपमा रावत के चुनाव क्षेत्र हरिद्वार ग्रामीण में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के उत्पीड़न को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत भी क्षेत्र में पहुंचे तथा उन्होंने पीड़ित लोगों से मिलकर इस बात का भरोसा दिलाया था कि वह उनके साथ खड़े हैं और कांग्रेस अपने कार्यकर्ताओं की लड़ाई लड़ेगी। उनके बाद आज इस मामले की गूंज विधानसभा में भी सुनाई दी।

एक नजर

केजरीवाल के घर पर हमला, सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी बैरियर तोड़े

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के घर पर हमले की खबर सामने आई है। डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने ट्वीट कर बताया कि कुछ असामाजिक तत्वों ने सीएम केजरीवाल के घर पर हमला कर सीसीटीवी कैमरे और सिक्योरिटी बैरियर तोड़ दिए। इसके अलावा गेट पर लगे बूम बैरियर भी तोड़ दिए गए है। हमले की घटना पर राजनीति भी शुरू हो चुकी है, आम आदमी पार्टी के नेता इस हमले का आरोप भाजपा पर लगा रहे हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल के घर पर हमले की घटना के बारे में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने अपने ट्विटर अकाउंट पर ट्वीट साझा कर जानकारी दी है और बताया- दिल्ली में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जी के घर पर असामाजिक तत्वों ने हमला कर सीसीटीवीकैमरे और सिक्योरिटी बैरियर तोड़ दिए है, गेट पर लगे बूम बेरियर भी तोड़ दिए है। इतना ही नहीं इस दौरान डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया द्वारा एक अन्य ट्वीट भी किया गया, जिसमें उन्होंने हमले की घटना पर भाजपा पर आरोप लगाया है और ट्वीट में लिखा- बीजेपी के गुंडे अरविंद केजरीवाल जी के घर पर तोड़फोड़ करते रहे। बीजेपी की पुलिस उन्हें रोकने की जगह उन्हें घर के दरवाज़े तक लेकर आई।

सपने में ईशनिंदा को लेकर मदरसे के शिक्षकों ने महिला सहयोगी की हत्या की

खैबर पख्तूनख्वा। पाकिस्तान में सपने में ईशनिंदा को लेकर मदरसे के शिक्षकों ने अपने ही महिला सहयोगी की बेरहमी से हत्या कर दी। रिपोर्ट के मुताबिक, एक आरोपी ने अपने सपने में देखा कि पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा शहर में ईशनिंदा करनेश के लिए एक मदरसा शिक्षक की उसकी महिला सहयोगियों ने बेरहमी से हत्या कर दी है। जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) नजमुल हसनैन के अनुसार, हत्या जामिया इस्लामिया फलाहुल बिनात के बाहर सुबह हुई। एफआईआर के अनुसार, जब पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तो उन्होंने देखा कि महिला खून से लथपथ पड़ी है और उसकी गर्दन कटी हुई है। प्राथमिकी में बताया गया है कि पीड़ित पर धारदार वस्तुओं से हमला किया गया था। डीपीओ हसनैन के मुताबिक, क्रमशः १७, २१ और २४ वर्ष की आयु के आरोपियों ने ईशनिंदा के दावों पर २१ वर्षीय पीड़िता की हत्या की। अधिकारियों को हत्या में इस्तेमाल हथियार, साथ ही सपने के विवरण का दस्तावेजीकरण करने वाला एक रजिस्टर मिला है।

भारत-पाकिस्तान सीमा के पास न जाए अमेरिकी नागरिकः यूएस विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। अमेरिका ने अपने नागरिकों को भारत की यात्रा करते समय अधिक सतर्क रहने का आग्रह किया और उन्हें जम्मू-कश्मीर तथा भारत-पाकिस्तान सीमा के १० किलोमीटर के दायरे में नहीं जाने की सलाह भी दी है। यह बात वहां के प्रशासन ने मंगलवार को एक नए यात्रा परामर्श में कही। यूएस के विदेश मंत्रालय ने एक नए यात्रा परामर्श में कहा, अपराध और आतंकवाद के कारण भारत को लेकर सतर्कता बढ़ाई गई है।श्श मंत्रालय ने कहा कि भारत की यात्रा के जोखिम स्तर को कम करते हुए स्तर-३ से स्तर-२ किया जा रहा है। अमेरिका द्वारा आखिरी यात्रा परामर्श २५ जनवरी को जारी किया गया था। यूएस के विदेश मंत्रालय ने कहा, छिटपुट हिंसा, खासकर भारत-पाकिस्तान की नियंत्रण रेखा (एलओसी) और कश्मीर घाटी के पर्यटन स्थलों - श्रीनगर, गुलमर्ग और पहलगाम में होती हैं। भारत सरकार भी विदेशी पर्यटकों को नियंत्रण रेखा के पास कुछ क्षेत्रों में जाने से रोकती है। मंत्रालय ने कहा कि, भारत और पाकिस्तान सीमा के दोनों ओर बड़ी संख्या में सैनिकों की तैनाती है। वे लोग जो भारत या पाकिस्तान के नागरिक नहीं हैं, केवल सीमा के पास भारत में अटारी और पाकिस्तान में वाघा जा सकते हैं।

मसूरी व नैनीताल में जल्द शुरु होने जा रही है हेली सेवा

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड को हेली सेवा दे रहा नागरिक उड्डयन विभाग जल्द ही पर्यटन स्थल मसूरी व नैनीताल को देहरादून से हैली सेवा देने की शुरूआत कर सकता है। जिसके लिए छह माह का लक्ष्य रखा गया है।

इस प्रस्तावित योजना के तहत मसूरी के लिए जौलीग्रांट व नैनीताल के लिए सहस्त्रधारा हैलीपैड से यह हैली सेवा शुरू की जायेगी। उत्तराखण्ड में उड़ान योजना के तहत सात हवाई मार्गो पर हेली सेवाएं दी जा रही है। जिसमें राजधानी दून से टिहरी, गौचर, श्रीनगर, हल्द्वानी व टिहरी से श्रीनगर, सहस्त्रधारा से चिन्यालीसौंण व पंतनगर से पिथौरागढ़ हैली सेवा शामिल है। इस क्रम में हैली सेवा का दायरा बढ़ाते हुए 13 स्थानों पर हैलीपैड विकसित किया जा रहे है।

जमीन के नाम पर धोखाधडी

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर लाखों की धोखाधडी में पुलिस ने एक को नामजद कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवऋषि एन्क्लेव निवासी रणविजय सिंह ने पटेलनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान ब्रहमपुर निरंजनपुर निवासी फारूख के साथ हुई थी। फारूख ने उसको ब्रहमणवाला में एक जमीन दिखायी थी जिसके एडवांस के तौर पर उसने दो लाख रूपये दे दिये थे। काफी समय निकल जाने के बाद भी फारूख के द्वारा जमीन की रजिस्ट्री करायी गयी तो उसने उससे अपने रूपये वापस मांगे तो उसने गाली गलौच कर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ट्रस्ट की सम्पत्ति पर अवैध निर्माण मामले में कमिश्नर नाराज

❑एमडीडीए उपाध्यक्ष को दिया तीन दिन का समय

संवाददाता

देहरादून। सूर्या कल्चरल सोसाइटी की सम्पत्ति पर अवैध निर्माण करने के मामले में कोई कार्यवाही न किये जाने पर गढवाल मण्डल आयुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए एमडीडीए उपाध्यक्ष को तीन दिन मे जांच आख्या भेजने के साथ ही यथा स्थिति बनाये रखने हेतु व्यक्तिगत ध्यान देने को भी कहा गया।

उल्लेखनीय है कि क्यार कुली भट्टा मसूरी स्थित सूर्या कल्चरल सोसाइटी (ट्रस्ट) की जमीन पर पूर्व मे अवैध तरीके से बेचे जाने का मामला वर्ष 2021 में उस समय सामने आया जब ट्रस्ट के सदस्य पंकज चड्ढा द्वारा कुछ ट्रस्टियों पर फर्जीवाडा कर ट्रस्ट की भूमि को अवैध तरीके से बेचने का आरोप लगाया था। पंकज चड्ढा ने इस मामले को राज्यपाल, मुख्यमंत्री व कमिश्नर गढवाल मण्डल तक इस घपले की शिकायत दर्ज करायी थी। इसके साथ ही उक्त सम्पत्ति पर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण किये जाने की भी शिकायत की थी। जिसके पश्चात कमिश्नर गढवाल मण्डल के द्वारा 17 फरवरी को एमडीडीए उपाध्यक्ष को इस मामले की जांच कर जांच आख्या आयुक्त कार्यालय को भेजने के भी आदेश दिये गये थे। लेकिन एमडीडीए द्वारा मामले में ढीलाई बरतने के कारण अवैध निर्माण कार्य जारी रहा था। जिसके बाद पंकज चड्ढा द्वारा कमिश्नर कार्यालय में दोबारा गुहार लगायी गयी। जिसपर आयुक्त गढवाल मण्डल सुशील कुमार ने नाराजगी जाहिर की। उन्होंने साफ शब्दों में एमडीडीए उपाध्यक्ष को आदेश दिये कि पंकज चड्डा की शिकायत पर उन्होंने एमडीडीए को प्रकरण की जांच कर जांच आख्या उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था लेकिन वांछित जांच आख्या अभी तक उनके कार्यालय में अप्राप्त है। उन्होंने एमडीडीए उपाध्यक्ष को पुनः निर्देशित किया कि वांछित जांच आख्या उनके कार्यालय को प्रत्येक दशा में तीन दिन के भीतर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें ताकि उक्त प्रकरण में अग्रेत्तर आवश्यक कार्यवाही की जा सके। यहीं नहीं उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि उक्त प्रकरण में अंतिम निर्णय, जांच तक स्थल पर प्रत्येक दशा में अवैध निर्माण कार्य को रूकवाये एवं मौके पर यथा स्थिति बनाये रखने हेतु भी प्रभावी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने अपने आदेश में यह तक कहा कि प्रकरण महत्वपूर्ण है जिस हेतु आपका व्यक्तिगत ध्यान देना अपेक्षित है।

वहीं इस मामले में एसएसपी देहरादून को भी कमिश्नर ने अवैध निर्माण रूकवाकर वहां पर यथा स्थिति बनाये जाने के निर्देश दिये।

आर.एन.आई.- 59626/94
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार
संपादक
पुष्पा कांति कुमार
समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार
कानूनी सलाहकारः
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट
कार्यालयः दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808
नोटः सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।